CMYK
RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 237 ता. 16 मार्च 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बताया

मुस्लिम छात्राओं ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बताया 'असंवैधानिक, बोलीं- बिना हिजाब कॉलेज नहीं जाएंगी

एजेंसी ।

कक्षाओं में हिजाब पहनने की इजाजत दिए जाने के मामले को लेकर कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने वाली मुस्लिम छात्राओं ने मंगलवार को कहा कि वे बिना हिजाब के कॉलेज नहीं जाएंगी और 'इंसाफ मिलने तक कानूनी तौर पर लड़ेंगी। उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया। छात्राओं ने फैसले को 'असंवैधानिक करार दिया है।

बिना हिजाब कॉलेज नहीं जाएंगे

एक छात्रा ने इस तटीय शहर में एक प्रेस वार्ता में कहा, हमने कक्षाओं में हिजाब पहनने की इजाजत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। आदेश हमारे खिलाफ आया है। हम बिना हिजाब के कॉलेज नहीं जाएंगे, लेकिन इसके लिए लड़ेंगे। हम सभी कानूनी तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे। हम इंसाफ और अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।÷ छात्रा ने कहा, आया फैसला असंवैधानिक है... संविधान हमें हमारे मज़हब का पालन करने का अधिकार देता है और यह भी अधिकार देता है कि मैं कुछ भी पहन सकती हूं। उन्होंने पांच फरवरी के सरकार के आदेश का भी हवाला दिया जो परिसर में शांति, सद्भाव और लोक व्यवस्था को बाधित करने वाले किसी भी तरह के कपड़े को पहनने पर रोक लगाता है। उनके मुताबिक, परिपत्र उनके उच्च न्यायालय का रुख करने के बाद आया। सरकार पर परिपत्र जारी करके इसे एक मुद्दा बनाने का आरोप लगाते हुए छात्रा ने इल्ज़ाम लगाया कि यह दबाव में किया गया था।

छात्रा का आरोप है, उन्होंने इसका कितना मसला बना दिया। या अल्लाह। उन्होंने इसे सभी कॉलेजों का मसला बना दिया। वे सभी लड़कियों को शिक्षा से महरूम कर रहे हैं। यह दवाब में किया गया था। उन्होंने फिर कहा कि हिजाब उनके मज़हब का जरूरी हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

परिवारवाद की राजनीति बीजेपी में नहीं चलेगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली। बीजेपी का संसदीय दल की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर सांसदों के बच्चों को टिकट ना देना पाप है तो मैंने यह पाप किया है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। पीएम मोदी ने कहा, अगर किसी के टिकट कटे हैं तो यह मेरी जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से यह भी कहा कि वह इसका आकलन करें कि चुनावों में बीजेपी को कुछ सीटों हार का सामना क्यों करना पड़ा। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से कहा, आप अपने अपने इलाके में हारे हुए 100-100 बूथों का आकलन करें और एक रिपोर्ट तैयार करिए कि हम क्यों हारे ताकि उन हार के कारणों का पता लगाया जा सके और आगे ठीक किया जा सके। पीएम ने पार्टी सांसदों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, पार्टी में परिवारवाद नहीं चलेगा। वंशवाद राजनीति के लिए दूसरी पार्टियां हैं। पीएम मोदी ने इस बैठक में यूक्रेन से भारतीयों को निकालने को लेकर भी बात की। साथ ही हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कश्मीर फाइल्स को लेकर कहा कि कश्मीर का सच दबाने की कोशिशें हुईं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव में बीजेपी को शानदार जीत मिली है। यूपी में बीजेपी ने इतिहास रचते हुए एक बार फिर बाजी मारी है। सारे मिथकों को ध्वस्त करते हुए योगी आदित्यनाथ एक बार फिर सरकार बनाने जा रहे हैं। यूपी में बीजेपी गठबंधन को 273 सीट मिली हैं। वहीं सपा गठबंधन को 125 सीट मिली हैं। कांग्रेस को 2 और बसपा को 1 सीट मिली है। वहीं उत्तराखंड में बीजेपी ने 47 सीटें जीती हैं। जबकि कांग्रेस को 19 सीटों से संतोष करना पड़ा। गोवा में बीजेपी बहुमत से महज एक सीट पीछे है लेकिन सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रही है। बीजेपी को 20 सीटें मिली हैं।

राजनाथ सिंह ने संसद में बताया पाक में कैसे गिरी मिसाइल

नई दिल्ली। 9 मार्च को गलती से पाकिस्तान में गिरे भारतीय मिसाइल को लेकर केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि यह घटना निरीक्षण के दौरान एक मिसाइल के अनजाने में छोड़े जाने से संबंधित है। नियमित रखरखाव और निरीक्षण के दौरान लगभग 7 बजे गलती से एक मिसाइल को छोड़ दिया गया था। राजनाथ सिंह ने संसद में कहा है कि बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में गिरी थी। जबकि इस घटना के लिए हमें खेद है, हमें राहत है कि दुर्घटना के कारण किसी को चोट नहीं आई। सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है, औपचारिक उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस जांच से दुर्घटना के सही कारण का पता चलेगा। यह भी बताना चाहूंगा कि इस घटना के मद्देनजर संचालन, रखरखाव और निरीक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा है कि हम अपने हथियार प्रणालियों की सुरक्षा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। यदि कोई कमी पाई जाती है तो उसे तत्काल दूर किया जाएगा। मिसाइल घटना को लेकर पाकिस्तान का कहना है कि वह इस घटना को लेकर द्विपक्षीय वार्ता करना चाहता है। इस मामले में चीन भी कूद गया है और कहा है कि भारत और पाकिस्तान को मिलकर इस बारे में द्विपक्षीय वार्ता करनी चाहिए।

सिब्बल के घर की कांग्रेस की जगह सब की कांग्रेस के सवाल से भागते दिखे राहुल गांधी

नई दिल्ली । पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। इसी बीच कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल का बयान सामने आया। इसपर पार्टी पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रतिक्रिया देने से बचते हुए दिखाई दिए। दरअसल, सिब्बल ने गंभीर आरोप लगाकर कहा था कि अब समय आ गया है, कि घर की कांग्रेस की जगह सब की कांग्रेस हो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वीडियो साझा किया। जिसमें वहां सिब्बल द्वारा पार्टी नेतृत्व पर उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए दिखाई दिए। दरअसल राहुल गांधी से सवाल पूछा कि सिब्बल ने कहा है, कि सब की कांग्रेस... घर की कांग्रेस है। इस पर राहुल गांधी बिना कुछ बोले चुपचाप संसद परिषद में प्रवेश कर गए, जबकि राहुल गांधी किसी भी मुद्दे पर हमेशा अपनी प्रतिक्रिया देते रहते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अब समय आ गया है, कि घर की कांग्रेस की जगह सब की कांग्रेस हो। साथ ही उन्होंने कहा था, कि इस बार के परिणामों ने मुझे आश्चर्यचकित नहीं किया। हम 2014 से नीचे की ओर जा रहे हैं। हमारे द्वारा राज्य दर राज्य खोया है। जहां हम सफल हुए वहां भी हम अपने झुंड को एक साथ नहीं रख पाए। इस दौरान सिब्बल ने पार्टी से नेताओं के पलायन का मुद्दा भी उठाया था। इस दौरान सिब्बल ने पार्टी से नेताओं के पलायन का मुद्दा भी उठाया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस से कुछ प्रमुख लोगों का पलायन हुआ है...जिनमें नेतृत्व का भरोसा था. 2022 के विधानसभा चुनाव में भी नेतृत्व के करीबी लोगों ने उनका साथ छोड़ दिया। इन चुनावों में भी नेतृत्व के करीबी लोगों ने उनका साथ छोड़ दिया। मैं आंकड़े देख रहा था। यह ध्यान रखना वाकई दिलचस्प है कि 2014 से अब तक लगभग 177 सांसद और विधायक के साथ-साथ 222 उम्मीदवार कांग्रेस छोड़ चुके हैं। किसी अन्य राजनीतिक दल ने इस तरह का पलायन नहीं देखा है।

पहली बार विधानसभा पहुंची 9 महिलाओं ने दिग्गजों को हराया

पंजाब में महिला विधायकों का आंकड़ा पिछली बार से दोगुना हुआ

लुधियाना।

2022 के विधानसभा चुनाव का नतीजा आने के बाद जहां पंजाब में महिला विधायकों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले दोगुना हो गया है वहीं 13 में से 9 महिला विधायक ऐसी हैं जो पहली बार विधानसभा पहुंची हैं। इनमें गनीव मजीठिया को छोड़कर बाकी सभी आम आदमी पार्टी से संबंधित हैं और उन्होंने पहली बार चुनाव लड़ा था, जबकि बाकी महिला विधायकों में अरुणा चौधरी, प्रो. बरजिंदर कोर, सरबजीत मानूके पहले विधायक रह चुकी हैं। यह महिलाएं पहली बार बनी हैं विधायक- गनीव मजीठिया (मजीठा),राजिंदर पाल कौर (लुधियाना साउथ), नरेंद्र कौर भराज (संगरूर), जीवनजोत कौर (अमृतसर पूर्वी), अनमोल गगन मान (खरड़), नीना मित्तल (राजपूरा), अमनजोत अरोड़ा (मोगा), बलजीत कौर (मलोट), इंद्रजीत मान (नकोदर) तथा संतोष कटारिया (बलाचौर) हैं। आम आदमी पार्टी द्वारा 12 महिलाओं को टिकट दी गई थी, जिनमें से 11 जीत गई हैं उनमें नवजोत सिद्धू, बिक्रम मजीठिया, विजय इंद्र सिंगला, बलविंदर बैंस जैसे दिग्गजों को हराने वाली महिलाए भी शामिल हैं अब सबकी नजर इस तरफ लगी हुई है कि इनमें से किसे मंत्री बनाया जाएगा। आम आदमी पार्टी द्वारा किसी महिला विधायक को स्पीकर बनाने की चर्चा हो रही है, इनमें सरबजीत मानूके व प्रो. बरजिंदर कौर का नाम सुनने को मिल रहा है। इनमें सरबजीत इनमें सरबजीत मानूके व प्रो. बरजिंदर कौर का नाम सुनने को मिल रहा है। अगर ऐसा हुआ तो यह पंजाब विधानसभा के इतिहास में पहली बार होगा कि जब किसी महिला को स्पीकर बनाया जाएगा।

शत्रुघ्न सिन्हा टीएमसी में शामिल पार्टी बदलते ही ममता बनर्जी को बताया बंगाल की बाघिन

नई दिल्ली । अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी। सिन्हा ने ट्विटर पर कहा कि वह बंगाल की बाघिन ममता बनर्जी के निमंत्रण पर टीएमसी में शामिल हुए हैं। उन्होंने लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बंगाल की बाघिन... आजमाई हुई, परखी हुई और सफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर मैं टीएमसी में शामिल हो गया हूं। सही मायने में एक महान महिला, जनता की महान नेता के गतिशील नेतृत्व में मैं चुनाव लड़ूंगा। अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा को टीएमसी ने आसनसोल लोकसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है जिसके लिए उन्होंने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी के प्रति आभार प्रकट किया। इसके साथ ही सिन्हा ने विरोधियों की ओर से लगाए गए बाहरी होने के आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य बनर्जी के हाथों में है। मैं देशभर में खेला होबे का विस्तार कर उनके हाथ मजबूत करूंगा। सिन्हा ने कहा, लोकसभा उपचुनाव में आसनसोल से ममता बनर्जी ने मुझे खुद तृणमूल उम्मीदवार घोषित किया है, यह मेरे लिए गर्व की बात है। वह जांची परखी और सफल नेत्री हैं जिनके हाथ में देश का भविष्य है। आज की सरकार विभाजनकारी राजनीति करती है जिसके विरुद्ध बनर्जी खड़ी हो सकती हैं। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के साथ आने के लिए कांग्रेस का दामन छोड़ा, सिन्हा ने कहा, मैं केवल इतना कहूंगा कि मैंने सांप्रदायिक सौहार्द और लोगों के कल्याण के लिए लड़ाई में बनर्जी का साथ दे रहा हूं।

देश में कोरोना के 2,568 नए केस, 97 लोगों की और मौत

नई दिल्ली । महामारी कोरोना संक्रमण के कमजोर होने के साथ ही भारत में एक दिन में कोविड-19 के 2,568 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 4,29,96,062 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 33,917 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 97 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,15,974 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 33,917 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.08 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,251 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.72 प्रतिशत हो गई है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल 4,24,46,171 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 180.40 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

वर्षों में बना सुपरटेक ट्विन टावर मात्र 9 सेकंड में हो जाएगा धराशायी

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में गंगनचुंबी सुपरटेक ट्विन टॉवर्स इतिहास बनने जा रहे हैं। हालांकि इनको बनाने में काफी वक्त लगा होगा लेकिन जमींदोज होने में महज 9 सेकंड लगेंगे। विवादों से घिरे सुपर ट्रेक ट्विन टावर को आखिरकार गिरा दिया जाएगा। इसके लिए 14 विभागों से एनओसी मिल गई है। नोएडा के सेक्टर 93 ए में बने इस टावर को 22 मई 2022 तक गिराया जाना है। इसके लिए एडिफिस कंपनी सभी विभागों के साथ मिलकर काम कर रही है। दोनों टावर को ध्वस्त करने में करीब ढाई टन बारूद लगेगा। इसके लिए रोजाना गोदाम से बारूद मंगाया जाएगा। जितना बारूद उपयोग होगा उतना ही लाया जाएगा। इन दोनों टावर को गिराने में करीब 15 दिन का वक्त लगेगा। इस दौरान आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भी व्यवस्था की जा रही है। टावर को गिराने के दौरान आसपास की एटीएस और एमराल्ड सोसाइटी को खाली कराया जाएगा। करीब 5 घंटे तक यहां के फ्लैट को सुरक्षा के मद्देनजर खाली रखा जाएगा। गैस पाइपलाइन को लेकर भी तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं, जिससे इस पर कोई दबाव न पड़े। दोनों टावर को करीब 9 सेकेंड के अंदर गिरा दिया जाएगा। वहीं इसे ध्वस्त करने के दौरान जो धूल होगी उसे लेकर भी रूपरेखा तैयार की जा रही है। आपको बता दें कि ये टावर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ध्वस्त किए जा रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चे में दरार एक ही जगह पर नेताओं ने की अलग-अलग मीटिंग

नई दिल्ली ।

किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले संयुक्त किसान मोर्चे में दरार नजर आने लगी है। हाल ही में एक मीटिंग के दौरान ऐसा कुछ हुआ जो काफी हैरान करने वाला था। यह मीटिंग एमएसपी गारंटी पर किसानों के आंदोलन का अगला चरण तय करने के लिए की गई थी। इस मीटिंग के दौरान एसकेएम के दो धड़ों ने एक ही स्थान पर दो अलग-अलग मीटिंग्स कीं। द ट्रिब्यून के मुताबिक गांधी पीस फाउंडेशन, जिसमें मोर्चे के नेता दर्शन पाल, हन्नन मोल्ला, जगजीत सिंह, जोगिंदर सिंह, युद्धवीर सिंह और योगेंद्र यादव हैं मीटिंग से बाहर बैठे। यह लोग मोर्चे के उन लोगों का विरोध कर रहे थे जिन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनाव लड़ा था। इन नेताओं का कहना था कि मीटिंग में शामिल नेताओं ने राजनीतिक पार्टी बना ली है। यह लोग अब संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा नहीं हैं। इस मामले पर बोलते हुए योगेंद्र यादव ने कहाकि प्रदर्शन के दौरान भी हमने किसी राजनीतिक दल के साथ मंच साझा नहीं किया। हम किसान हैं और हमें जमीन पर बैठने में खुशी है। यादव ने चुनाव लड़ने बलबीर राजेवाल की तरफ इशारा करते हुए कहाकि जिन लोगों ने चुनाव लड़ा वह कुर्सियों पर बैठें। वहीं राजेवाल ने कहाकि कुछ मुद्दों पर ही विरोध हैं। उन्होंने कहाकि बहुत से लोग योगेंद्र यादव और राकेश टिकैत भी पहले चुनाव लड़े हैं और हारे हैं। राजेवाल ने यह भी दावा किया कि उन्हें आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री का पद ऑफर किया गया था। इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने घोषणा की है कि 11 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच एमएसपी लीगल गारंटी सप्ताह का देशव्यापी कैंपेन चलेगा। इसके अलावा 21 मार्च को लखीमपुर घटना में सरकार के रोल व किसानों से किया वादा पूरा न करने पर प्रदर्शन होगा।

पाकिस्तान में कैसे गिर गई भारत की मिसाइल राज्यसभा में राजनाथ सिंह ने बताया

नई दिल्ली ।

भारत ने हाल ही में गलती से एक मिसाइल दागी थी जो पाकिस्तान में उतरी। भारत इस दुर्घटना पर गहरा खेद जताते हुए कहा था कि घटना उसके नियमित रखरखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। पाकिस्तान की सेना ने दावा किया था कि ये मिसाइल भारत की तरफ से छोड़ी गई थी। वहीं राज्यसभा में बयान के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं इस गरिमामयी सदन को, 9 मार्च 2022 को हुई एक घटना से अवगत कराना चाहता हूँ। यह घटना, इनस्फेक्सन के दौरान अनजाने में हुई एक मिसाइल के छोड़े जाने से संबंधित है। मिसाइल यूनिट के रुटीन मेंटेनेंस और जांच के दौरान, शाम को लगभग 7 बजे, दुर्घटनावश, एक मिसाइल लॉन्च हो गई। बाद में ज्ञात हुआ, कि यह मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में जा कर गिरी। यह घटना खेदजनक है। परन्तु यह राहत की बात है, कि इस दुर्घटना से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि मैं सदन को सूचित करना चाहता हूँ कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता पूर्वक लिया है और इसके लिए एक औपचारिक उच्च स्तरीय जाँच के आदेश दे दिए गए हैं।

कथित दुर्घटना का सटीक कारण जांच के बाद पता चलेगा। मैं यह भी कहना चाहूँगा, कि इस घटना के संदर्भ में, ऑपरेशन, मेंटेनेंस तथा जांच के लिए की समीक्षा की जा रही है। हम अपने वेपन सिस्टम की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। इस संबंध में यदि किसी भी प्रकार की खामी पाई जाती है, तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। उन्होंने अपने बयान के दौरान कहा कि मैं सदन को आश्वस्त कर सकता हूँ, कि हमारा मिसाइल सिस्टम अत्यंत सुरक्षित और भरोसेमंद है। इसके अलावा, हमारे और प्रोटेकॉल उच्चस्तरीय हैं और समय-समय पर इनकी समीक्षा की जाती है। हमारी सुरक्षा बल ट्रेंड हैं एवं अनुशासित भी हैं ।

राहुल ने मंथन से निकाला रास्ता भाजपा को हराने के लिए इस रणनीति पर काम करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी भविष्य में युवाओं पर और ज्यादा फोकस करने की जरूरत बताई है। हुई कांग्रेस कार्यसमिति में बैठक में उन्होंने कहा कि यह एक रास्ता है, जिस पर आगे बढ़ने की जरूरत है। मीटिंग में बहस के दौरान सीनियर नेता जयराम रमेश ने युथ फैक्टर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक युवाओं को अपने साथ जोड़ा जाए। मालूम हो कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद पार्टी के भविष्य पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी में भी बैठक में युवाओं के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश चुनाव में 45 साल से कम उम्र के 60 फीसदी पुरुषों और महिलाओं को टिकट दिया। वहीं, राहुल गांधी ने गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि गुजरात में अच्छी रणनीति के साथ आगे बढ़ा जाए तो भाजपा को हराया जा सकता है। राहुल ने युवाओं पर और ज्यादा ध्यान देने की बात ऐसे समय कही है, जब कांग्रेस के सीनियर नेताओं का ग्रुप जी23 गांधी परिवार और ज्यादा आक्रामक हो गया है। कांग्रेस के सीनियर कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार को पार्टी के नेतृत्व से अलग होने को कहा है। उन्होंने कहा कि यह सही समय है जब गांधी परिवार से कांग्रेस की लीडरशिप से हट जाना चाहिए और नेतृत्व की भूमिका के लिए और किसी अन्य व्यक्ति को मौका देना चाहिए। वहीं, सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल जी 23 के कुछ नेताओं का कहना है कि वे पार्टी को मजबूत करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन उनका अपमान किया जा रहा है, कांग्रेस के सीनियर कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार को पार्टी के नेतृत्व से अलग होने को कहा है। उन्होंने कहा कि यह सही समय है जब गांधी परिवार से कांग्रेस की लीडरशिप से हट जाना चाहिए और नेतृत्व की भूमिका के लिए और किसी अन्य व्यक्ति को मौका देना चाहिए। वहीं, सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल जी 23 के कुछ नेताओं का कहना है कि वे पार्टी को मजबूत करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन उनका अपमान किया जा रहा है, जो अब बंद होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, इन नेताओं ने कहा कि वे कांग्रेस के सदस्य हैं, राजनीतिक पर्यटक नहीं हैं और हमेशा पार्टी में बने रहेंगे। उनका यह भी कहना था कि पार्टी नेतृत्व को नारद-मुनि और अफवाह फैलाने वालों के बारे में सजग रहना चाहिए।

CMYK

मुश्किल हालातों में भी यूक्रेन से हम 22500 से अधिक छात्रों को भारत वापस लाए : विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली । यूक्रेन और रूस के बीच आज लगातार 20वें दिन जंग जारी है. इस बीच यूक्रेन से भारतीयों की वापसी को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बयान दिया है. एस जयशंकर ने कहा कि मुश्किल हालातों में भी हम अपने 22500 से अधिक छात्रों को भारत वापस लाए हैं. हम लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा कर रहे थे लेकिन हमारे सामने चुनौती यह थी कि हमारे नागरिकों को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा, इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा की शुरुआत की। यह मुश्किल हालातों में अंजाम दिया जाने वाला एक बड़ा ऑपरेशन था। एस जयशंकर ने कहा भारतीय दूतावास ने 15 फरवरी, 20 और 22 फरवरी को एडवाइजरी जारी करके छात्रों और भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकलने के लिए कहा था। लगातार जारी हो रही एडवाइजरी के बाद भी बड़ी संख्या में छात्र वहां से नहीं निकल रहे थे। उनको डर यह था कि उनकी पढ़ाई अधूरी ना रह जाए। उन्होंने कहा, जब हालात खराब हुए तो वहां पर 18000 से ज्यादा भारतीय छात्र फंसे हुए थे इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सहित यूक्रेन एंबेसी में भी कॉल सेंटर स्थापित किए गए। माहौल खराब होने के चलते अरे स्पेस बंद हो गया था लिहाजा छात्रों को लूकेंस एचक्यू ही पड़ोसी देशों की सीमा से निकालने का फैसला किया गया और इसके लिए बड़ी संख्या में अधिकारियों को पड़ोसी देशों की सीमाओं पर भेजा गया। जयशंकर ने कहा कि इस दौरान यह ऑपरेशन चल रहा था प्रधानमंत्री लगातार इसको लेकर समीक्षा बैठक कर रहे थे और निगरानी कर रहे थे। इस दौरान सभी मंत्रालयों का भी पूरा सपोर्ट मिला। जैसे ही वहां हालात खराब होने शुरू हुए थे जनवरी 2022 से ही भारतीय उच्चायोग ने वहां पर भारतीयों का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया था।

सीएए प्रदर्शनकारियों से वसूला गया जुर्माना वापस करने की तैयारी में योगी सरकार

नई दिल्ली । नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के विरोध में हुई हिंसा के बाद प्रदेश सरकार ने उपद्रवियों से जुर्माना वसूल किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कानपुर में वसूला गया जुर्माना वापस करने की कवायद शुरू हो चुकी है। कानपुर में 33 लोगों से 3 लाख 67 हजार रुपये वसूले गए थे। जुर्माना वापसी के लिए प्रशासन की तरफ से चेक बनाकर तहसील को भेजी जा चुकी है। जहां से तहसील कर्मी संबंधित व्यक्तियों के घरों पर जाकर चेक देंगे। बता दें कि सीएए और एनआरसी के विरोध में दिसंबर 2019 में कानपुर में कई जगह बवाल हुआ था। उपद्रवियों ने सरकारी संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। शासन के आदेश पर आरोपियों से क्षतिपूर्ति की कार्रवाई की गई थी। बाबू पुरवा और बेकनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले 33 लोगों से जुर्माना वसूला गया था। सुप्रीम कोर्ट ने रिकवरी को गलत बताया था, जिसके बाद जुर्माना वापस करने का आदेश दिया गया। जिस पर प्रशासन ने जिन लोगों से जुर्माना वसूला था उनका जुर्माना वापस करने की तैयारी की है। गौरतलब है कि यूपी में सीएए विरोधी प्रदर्शन में शामिल लोगों की संपत्ति जब्त करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर योगी सरकार ने जवाब दाखिल किया था । प्रदर्शन के मामले में अपर जिलाधिकारियों को भेजे गए वसूली के 274 नोटिस को वापस ले लिया गया है। सरकार ने तब कहा था कि एंटीपर जिलाधिकारियों को भेजे गए वसूली के 274 नोटिस को वापस ले लिया गया है। सरकार ने यह भी बताया था कि मामले को नए ट्रिब्यूनल में भेजा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह रिकवरी से संबंधित कार्रवाई को वापस ले। साथ ही कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर कार्रवाई वापस नहीं की गई, तो हम कार्रवाई को खारिज कर देंगे, क्योंकि यह नियम के खिलाफ है।

कुरान में हिजाब का 7 बार जिक्र लेकिन ड्रेस कोड को लेकर नहीं

नई दिल्ली । केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा है कि इस्लाम स्वयं परिभाषित करता है कि विश्वास के अभ्यास के लिए क्या जरूरी है, इसलिए न्यायपालिका का काम आसान हो गया है। कुरान में 7 बार हिजाब का जिक्र किया गया है, लेकिन ड्रेस कोड के संदर्भ में नहीं। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को हिजाब विवाद पर कहा कि हर किसी को उच्च न्यायालय के फैसले का पालन और इसे लागू करने में राज्य सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए। समाज में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान करते हुए उन्होंने छात्रों से अदालत का फैसला स्वीकार करके अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाने का भी आग्रह किया। बोम्मई ने कहा, ''मुझे कक्षा में वर्दी से संबंधित मामले के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश के बारे में मीडिया के जरिए अभी जानकारी मिली। अदालत ने वर्दी को बरकरार रखा और कहा कि हिजाब पहनना आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है।''मुख्यमंत्री ने कहा कि यह छात्रों के भविष्य और शिक्षा से जुड़ा मामला है और पढ़ाई से ज्यादा जरूरी कुछ नहीं है।उन्होंने कहा हर किसी को उच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ के फैसले का पालन करना चाहिए। सरकार के इसे लागू करने में हर किसी को सहयोग करना चाहिए और शांति बनाए रखनी चाहिए। समाज में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

सूरत भूमि। मुकेश अंबानी के पोते पृथ्वी अंबानी ने अपने स्कूल के पहले दिन की शुरुआत मलबार हिल सनफ्लावर नर्सरी स्कूल में की।

चमचे कभी सवाल नहीं उठाएंगे कांग्रेस नेतृत्व में बदलाव को लेकर की ये मांग : संदीप

नई दिल्ली । पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस में मंथन जारी है। इस बीच कांग्रेस जी23 गुट ने गांधी परिवार के नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने गांधी परिवार पर करारा हमला बोलते हुए सिब्बल की बातों से सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि दो तरह का नेतृत्व पार्टी को चलाता है, एक नेतृत्व और एक संगठन के चेहरे। गांधी परिवार के लिए अब वो समय नहीं रहा। ये तो मैं स्पष्ट करना चाहूंगा। कभी कभी कोई बड़ा लीडर आता है जो अब हमारे पास नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समय की मांग को अगर हमारा नेतृत्व नहीं समझेगा तो सवाल तो उठेंगे ही। चमचे भले सवाल न उठाएं लेकिन बाकी लोगों के बीच तो सवाल उठाए ही जाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने आगे कहा कि समय की मांग को देखते हुए बदलाव को लेकर हमारे नेतृत्व को अब समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ही नहीं बल्कि पार्टी के 90 फीसदी प्रभारियों को बाहर का रास्ता दिखा देना चाहिए। वर्किंग कमेटी जो कहे उनका कोई महत्व नहीं। वर्किंग कमेटी तो यस मेन का ग्रुप बनकर रह गया है। पंजाब में भी जो प्रभारी यहां से गए थे उन्होंने सबकुछ बर्बाद कर दिया। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार से नेतृत्व छोड़ने की बात कही थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कहा था कि गांधी परिवार को अब कांग्रेस की लीडरशिप से हट जाना चाहिए और नेतृत्व की भूमिका के लिए और किसी और को मौका देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि कम से कम अब नेतृत्व को सच्चाई समझनी होगी पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल का यह बयान पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार और कांग्रेस वर्किंग कमेटी की ओर से सोनिया गांधी के नेतृत्व में अपना विश्वास दिखाने के बाद आया।

पूर्व पीएम इंदिरा का पत्र शेयर कर विवेक ने ट्वीट किया, राहुल जी, आपकी दादी की राय अलग

नई दिल्ली । कश्मीरी पंडितों के विस्थापन पर बनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर केरल कांग्रेस के ट्वीट पर घमासान छिड़ गया है। दरअसल कश्मीरी पंडितों के पलायन पर केरल कांग्रेस के फैक्ट चेक वाले ट्वीट के जवाब में द कश्मीर फाइल्स के निदेशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का एक पत्र शेयर किया है। उन्होंने इंदिरा गांधी का पत्र शेयर करते हुए लिखा, प्रिय राहुल गांधी जी, आपकी दादी की राय अलग थी। इंदिरा गांधी ने यह पत्र 8 जनवरी 1981 को कश्मीरी पंडित निर्मला मित्रा को लिखा था। पत्र में इंदिरा गांधी ने डॉक्टर मित्रा को लिखा कि मैं आपकी चिंता समझ सकती हूं, इसलिए मैं भी दुखी हूं। न ही तुम जो कश्मीर में पैदा हुई और न ही मैं जिसके पूर्वज कश्मीर से आते हैं, जमीन का एक टुकड़ा भी कश्मीर में नहीं खरीद सकते। फिलहाल मामला मेरे हाथ में नहीं है, और मैं अभी इसके लिए कुछ नहीं कर सकती क्योंकि मीडिया में मेरी छवि एक दबंग सत्तावादी के रूप में दिखाई जा रही है। बता दें विवेक अग्निहोत्री द्वारा पत्र शेयर करने से पहले कांग्रेस की केरल इकाई ने फिल्म से असहमति जताते हुए एक ट्वीट किया था। केरल कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा कश्मीरी पंडितों के बारे में तथ्य÷ वह आतंकी ही थे जिन्होंने पंडितों को निशाना बनाया। पिछले 17 सालों (1990-2007) में हुए आतंकी हमलों में 399 पंडित मारे गए हैं। इसी अवधि में आतंकवादियों की ओर से मारे गए मुसलमानों की संख्या 15,000 हैं।

चुनाव में हार के बाद पंजाब में कांग्रेस का झगड़ा बढ़ा

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद से राज्य में कांग्रेस का झगड़ा बढ़ता जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी पर कांग्रेस नेताओं का गुस्सा फूटा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि चन्नी के चेहरे की वजह से कांग्रेस हारी। भ्रष्टाचार के आरोप लगे फिर भी पार्टी ने चेहरा नहीं बदला। ये बात पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कही है। कांग्रेस नेता दर्शन बराड़ ने कहा, चन्नी को पार्टी से चलता कर देना चाहिए। पूरे परिवार की नौकरियां छुड़वाकर चन्नी उनको कांग्रेस में शामिल करवाना चाहते थे। चन्नी का भाई कांग्रेस के खिलाफ लड़ा, लेकिन उसे रोका नहीं। दर्शन बराड़ ने कहा कि चन्नी और जाखड़ को पार्टी से निकालकर नवजोत सिद्धू को सारी पॉवर दी जानी चाहिए। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ ने चरणजीत सिंह चन्नी को एक बोझ बताया था, जिनके लालच ने पार्टी को नीचे ला दिया। जाखड़ ने बिना नाम लिए पार्टी की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी पर भी निशाना साधा। कांग्रेस नेता जाखड़ उन खबरों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें कहा गया था कि रविवार को नयी दिल्ली में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पंजाब चुनाव में कांग्रेस की हार पर चर्चा के दौरान इस बात पर

चर्चा की गई कि कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व निवर्तमान मुख्यमंत्री चन्नी का समर्थन करने में कैसे विफल रहा, जिन्हें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उपयोगी नेता (एसेट) के तौर पर पेश किया गया था। आम आदमी पार्टी ने 117 सदस्यीय पंजाब विधानसभा में 92 सीट पर जीत हासिल की है। चुनावों में कांग्रेस की हार हुई और वह केवल 18 सीट ही जीत सकी।

स्कूल-कॉलेजों में हिजाब की इजाजत नहीं : कर्नाटक हाईकोर्ट

नई दिल्ली । कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर रोक के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं की याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य नहीं है। मुस्लिम नेता इस फैसले से निराश नजर आ रहे हैं।मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल और कॉलेजों में हिजाब पहनने पर अपना फैसला सुना दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हिजाब इस्लाम के अनिवार्य धार्मिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है और इस तरह संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं है। साथ ही हाईकोर्ट ने कहा छात्र स्कूल यूनिफॉर्म पहनने से मना नहीं कर सकते हैं और स्कूल यूनिफॉर्म पहनने का नियम वाजिब पाबंदी है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सरकार के आदेश को चुनौती का कोई आधार नहीं है। स्कूल और कॉलेजों में हिजाब पर बैन का मामला पहले हाईकोर्ट की सिंगल बेंच सुन रही थी, जिसके बाद मामले को पूर्ण बेंच को भेज दिया गया था। हाईकोर्ट की पूर्ण बेंच ने कहा राज्य सरकार द्वारा स्कूल यूनिफॉर्म का तय किया जाना अनुच्छेद 25 के तहत छात्रों के अधिकारों पर उचित प्रतिबंध है और इस तरह से 5 फरवरी को कर्नाटक सरकार की ओर से जारी सरकारी आदेश उनके अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जिसमें सरकारी पीयू कॉलेज में मुस्लिम छात्राओं को हिजाब के साथ कॉलेज में दाखिल करने से इनकार करने की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। ÷हिजाब इस्लाम का हिस्सा नहीं÷ फैसले के बाद कर्नाटक के महाधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी ने कहा, ÷व्यक्तिगत पसंद पर संस्थागत अनुशासन प्राथमिक होता है। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 25 की व्याख्या में एक बदलाव का प्रतीक है÷ दूसरी ओर कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ÷मुझे खुशी है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। मैं अदालत में गई लड़कियों से अनुरोध करता हूं कि वे फैसले का पालन करें, शिक्षा किसी भी अन्य चीजों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है÷ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पत्रकारों से कहा, ÷मैं कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। मेरी सभी से अपील है कि राज्य और देश को आगे बढ़ाएं। सभी को हाईकोर्ट के आदेश को मानकर शांति बनाए रखनी है। छात्रों का मूल कार्य पढ़ाई करना है। इसलिए इन सब को छोड़कर उन्हें पढ़ना चाहिए और एक होना चाहिए÷ इससे पहले 25 फरवरी को चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी, जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित और जस्टिस जेएम खाजी ने इस मामले पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस की हार के लिए पूरी तरह गांधी परिवार जिम्मेदार: अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली । अमरिंदर सिंह ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के लिए पूरी तरह से गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया कि उनके मुख्यमंत्री पद से हटने से पहले पार्टी की स्थिति पंजाब में बेहतर थी। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की ओर से पांच राज्यों में पार्टी की हुई हार की समीक्षा करने के एक दिन बाद सिंह का यह बयान आया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और भ्रष्ट चरणजीत सिंह चन्नी पर कटाक्ष किया। मालूम हो कि सिंह की जगह चन्नी पंजाब के मुख्यमंत्री बने थे। पिछले साल मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी और अपनी पार्टी 'पंजाब लोक कांग्रेस' बनाई। सिंह ने पंजाब में कांग्रेस की हार का दोष उन पर डालने की कोशिश करने के लिए सीडब्ल्यूसी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा वे दोष मढ़ने के बजाय अपनी गलतियों को स्वीकार करें। कांग्रेस न केवल पंजाब में बल्कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी हार गई है और पार्टी की शर्मनाक हार के लिए गांधी परिवार पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। अमरिंदर ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि देश भर में लोगों का गांधी परिवार के नेतृत्व पर से विश्वास उठ चुका है। हाल में सम्पन्न हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 18 सीट पर जीत मिली और आम आदमी पार्टी (आप) ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 92 सीट हासिल कीं। अमरिंदर सिंह ने दावा किया कि पार्टी के भीतर कई वरिष्ठ नेता पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह और राज्य में खराब प्रदर्शन के लिए । उन्होंने कहा, ''पार्टी ने सीमावर्ती राज्य में उसी दिन अपनी कब्र खोद ली थी, जब उसने नवजोत सिद्धू जैसे अस्थिर और आडंबरपूर्ण व्यक्ति का समर्थन किया और चुनाव से कुछ महीने पहले को मुख्यमंत्री के रूप में नामित करने का फैसला किया।

संक्षिप्त समाचार

जी-23 नेताओं को किनारे करना चाहती है कांग्रेस अब युवाओं का भविष्य : राहुल गांधी

नई दिल्ली । विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में मंथन का दौर जारी है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि भविष्य में युवाओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि हमें भविष्य की ओर देखने की जरूरत है। कांग्रेस के बड़े नेताओं को इस बात पर दुख भी हुआ। जयराम रमेश ने कहा कि अपनी मांग बढ़ाने के लिए कांग्रेस को नये तरीके से सोचना चाहिए। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में हुए नुकसान को लेकर बैठक में चर्चा की गई। रमेश की रणनीति पर एआईसीसी की महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बार 45 फीसदी ऐसे लोगों को टिकट दिया गया था जिनकी उम्र 45 साल से नीचे हैं। इसमें 40 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी इस तर्क से सहमत थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में युवाओं पर फोकस किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पार्टी अच्छी रणनीति के साथ आगे बढ़े तो गुजरात चुनाव में भाजपा को हराया जा सकता है। हालांकि इस बैठक के एक दिन बाद ही पता चल गया कि राहुल गांधी की बात से बहुत सारे सीनियर नेता हैरान हैं।

गुरुग्राम में डेढ़ महीने में प्लॉट काटकर बना दीं 50 अवैध कॉलोनी

गुरुग्राम । जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन के सख्ती के बाद भी अवैध कॉलोनियां काटने वाले भूमाफिया सक्रिय हैं। डेढ़ महीने में 100 एकड़ से अधिक जमीन पर 50 अवैध कॉलोनी विकसित कर दी गईं। इसमें संचोली, सिलानी, फर्रुखनगर, सुल्तानपुर, मुबारिकपुर, पचगांव, सोहना, बादशाहपुर का इलाका शामिल है। इसका खुलासा जिला नगर योजनाकार के सर्वे में हुआ है। डीटीपी ने भूमाफिया की पहचान कर ली है। कई ऐसे भूमाफिया हैं, जिनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हो चुकी है। अब इनके खिलाफ दोबारा से कार्रवाई करने की योजना तैयार कर की गई है। डीटीपी के अनुसार, जिले में अवैध कॉलोनी और भूमाफिया के खिलाफ मुहिम लगातार जारी है। इसको लेकर जनवरी में टीम से सर्वे करवाया गया तो चौकाने वाले खुलासे हुए। इसमें मुबारिकपुर में एक एकड़ पर दो कॉलोनी, फर्रुखनगर में 14.75 एकड़ पर 27 कॉलोनी, संचोली में 5.5 एकड़ पर तीन कॉलोनी, सोहना में पांच एकड़ पर एक कॉलोनी, सिलानी में 14 एकड़ पर तीन कॉलोनी, घमरौज में छह एकड़ पर तीन, भोंडसी में 11.5 एकड़ पर नौ अवैध कॉलोनियां विकसित हुई हैं। जमीन मालिकों से लेकर बेचने वाले प्रॉपर्टी डीलरों की पहचान की गई है। सर्वे रिपोर्ट में इन अवैध कॉलोनी में सड़क बनाई गई हैं। उन सड़कों को दिखाकर लोगों को प्लॉट बेच दिए गए। लोगों ने सौ वर्ग गज से लेकर दो सौ वर्ग गज तक प्लॉट खरीद लिए। कइयों ने तो निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया।

कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में छात्राएं

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल कॉलेजों में हिजाब पहनने की इजाजत की मांग करने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि हिजाब पहनना इस्लाम की अनिवार्य प्रथा का हिस्सा नहीं है। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि छात्र स्कूल यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं कर सकते हैं। वहीं हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के विरोध में चेन्नई में छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन किया। हिजाब पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से निराश याचिकाकर्ता छात्राएं और संगठन सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। वकीलों की टीम अभी फैसले का अध्ययन कर रही है। याचिकाकर्ताओं के वकील लीगल पॉइंट देखकर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाले हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, हिजाब को लेकर जो हंगामा था, वह इसलिए था कि कैसे मुस्लिम लड़कियों को औपचारिक शिक्षा से दूर रखें और तालिबानी सोच के साथ झोंक दें, जिससे उन्हें औपचारिक शिक्षा न मिले, कोर्ट ने जो निर्णय लिया है वह भारत के संविधान और समाज के हिसाब से बिल्कुल ठीक है।

मौलिक अधिकारों के खिलाफ मुस्लिम लड़कियों को किया जाएगा टारगेट: ओवैसी

नई दिल्ली । असदुद्दीन ओवैसी ने हिजाब विवाद पर आए कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले को संविधान के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय धर्म, संस्कृति, अभिव्यक्ति और कला की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसका मुस्लिम महिलाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, उन्हें निशाना बनाया जाएगा। ओवैसी ने कहा कि आधुनिकता धार्मिक प्रथाओं को छोड़ने के बारे में नहीं है। आखिर हिजाब पहनने से क्या दिक्कत है? ओवैसी ने ट्वीट करके कहा कि मैं हिजाब पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले से असहमत हूं। फैसले से असहमत होना मेरा अधिकार है और मुझे उम्मीद है कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे यह भी उम्मीद है कि न केवल ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बल्कि अन्य धार्मिक समूहों के संगठन भी इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। ओवैसी ने कहा, संविधान की प्रस्तावना में कहा गया है कि व्यक्ति के पास विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की स्वतंत्रता है। अगर यह मेरा विश्वास है कि मेरे सिर को ढंकना आवश्यक है तो मुझे इसे व्यक्त करने का अधिकार है, जो मुझे ठीक लगता है। एक धर्मनिष्ठ मुसलमान के लिए हिजाब भी एक इबादत है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, यह आवश्यक धार्मिक प्रैक्टिस टेस्ट की समीक्षा करने का समय है। एक भक्त के लिए सब कुछ आवश्यक है और एक नास्तिक के लिए कुछ भी आवश्यक नहीं है। एक भक्त हिंदू ब्राह्मण के लिए जनेऊ जरूरी है लेकिन गैर-ब्राह्मण के लिए यह नहीं हो सकता है। यह बेतुका है कि न्यायाधीश अनिवार्यता तय कर सकते हैं। एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि एक ही धर्म के अन्य लोगों को भी अनिवार्यता तय करने का अधिकार नहीं है। यह व्यक्ति और ईश्वर के बीच है। राज्य को धार्मिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने की अनुमति केवल तभी दी जानी चाहिए जब इस तरह के पूजा कार्य दूसरों को नुकसान पहुंचाते हैं। हेडस्कार्फ किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

मिसाइल गिरने के मामले में अमेरिका ने दिया भारत का साथ

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने कहा है कि हाल में भारत की ओर से पाकिस्तान में गिरी मिसाइल के दुर्घटनावश चलने के अलावा अन्य कोई कारण नजर नहीं आता। भारत सरकार ने कहा था कि दो दिन पहले गलती से मिसाइल पाकिस्तान चली गई थी। यह पाकिस्तान में एक स्थान पर गिरी और यह खेदजनक घटना नियमित रख रखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, जैसा कि आपने हमारे भारतीय साथियों से भी सुना है,कि यह घटना एक गलती के अलावा और कुछ भी नहीं थी, हमें भी इसके पीछे और कोई कारण नजर नहीं आता। प्राइस ने कहा, आप इस संबंध में अन्य कोई भी सवाल रक्षा मंत्रालय से करें। उन्होंने नौ मार्च को बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि वास्तव में उस दिन क्या हुआ था। हम उससे इतर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संसद में पाकिस्तान में अनजाने में मिसाइल दागे जाने पर बयान दिया। रक्षामंत्री सिंह ने कहा हमारे संचालन, रखरखाव और निरीक्षण मानक संचालन प्रक्रियाओं के एक सेट के बाद आयोजित किए जाते हैं, जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है। हमारी शस्त्र प्रणालियों की सुरक्षा और संरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। हमारा मिसाइल सिस्टम बेहद भरोसेमंद और सुरक्षित है। हमारे सशस्त्र बल ऐसी प्रणालियों को संभालने में अनुभवी हैं। राजनाथ ने राज्यसभा में कहा कि शुक्र है कि मिसाइल के आकस्मिक प्रक्षेपण के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। राजनाथ ने कहा कि एक मिसाइल दुर्भाग्य से 9 मार्च को गलती से लांच हो गई थी। यह घटना एक नियमित निरीक्षण के दौरान हुई थी। हमें बाद में पता चला कि यह पाकिस्तान में उतर चुकी है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने घटना को गंभीरता से लेकर इसकी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा 9 मार्च 2022 को, नियमित रखरखाव के दौरान, एक तकनीकी खराबी के कारण मिसाइल का आकस्मिक फायरिंग हो गया। भारत सरकार ने एक गंभीर दृष्टिकोण लिया है,। इसमें कहा गया है, यह पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में उतरी। हालांकि यह घटना बेहद खेदजनक है।

यूक्रेन नागरिकों के लिए रूस युद्ध किसी बुरे सपने के समान : रेडक्रॉस

दुबई ।

युद्धग्रस्त क्षेत्र में घायल सैनिकों का उपचार करने वाली वैश्विक संस्था रेडक्रॉस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन में वर्तमान में युद्ध से घिरे हुए शहरों में रह रहे लोग अथाह संकट का सामना कर रहे हैं और अधिकारी ने नागरिकों को निकलने एवं मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए अग्रिम मोर्चों पर सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने का आह्वान किया। इंटरनेशनल कमिटी ऑफ रेडक्रॉस के महानिदेशक रॉबर्ट मार्दिनी ने इस युद्ध को उससे प्रभावित लोगों के लिए 'त्रासदी' बताया क्योंकि खासकर बुरी तरह घिरे मारियुपोल में लोगों के सामने पेयजल, भोजन, दवाइयों और ईंधन की किल्लत हो गई है। उनके अनुसार चिकित्सा केंद्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है। मार्दिनी ने कहा कि रेडक्रॉस लगातार रूसी और यूक्रेनी नेताओं के साथ संवाद कर रहा है लेकिन भयंकर युद्ध से घिरे मारियुपोल एवं कुछ अन्य क्षेत्रों से लोगों के निकलने के लिए अबतक स्थापित मार्ग नहीं हैं। संयुक्त अरब अमीरात में दुबई की यात्रा पर आये रेडक्रॉस महानिदेशक ने कहा,

'लोगों को आश्रय की सख्त जरूरत है, इसलिए स्थिति इस तरह लगातार नहीं चल सकती है।' उन्होंने कहा, 'मारियुपोल और अन्य शहरों में जो कुछ हो रहा है, इतिहास उसे निहार रहा है। नागरिकों की अवश्य ही रक्षा की जानी चाहिए। इसलिए भले संघर्ष हो या फिर संघर्षविराम पर सुरक्षित निकासी की संयुक्त व्यवस्था, उसकी बिल्कुल सख्त जरूरत है।

रूस की मदद करने पर चीन को भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

वॉशिंगटन ।

रूस के यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर दो हिस्सों में बंटी दुनिया में रूस दो तरफ से घिर चुका है। एक तरफ उसे अब तक की जंग के उम्मीद के मुताबिक कामयाबी नहीं मिली। रूस को उम्मीद थी कि जल्द ही वो यूक्रेन पर कब्जा कर लेगा, लेकिन उसकी जल्द वाली उम्मीद पूरी हुई नहीं। दूसरी तरफ पश्चिम देशों की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से वो आर्थिक संकट में फंस गया है। अब तक रूस का आधा सोना और विदेशी मुद्रा भंडार जब्त हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खराब होते हालात से उबरने के लिए रूस अब चीन से मदद की गुहार लगा रहा है। चीन अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रूस पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों को टालने में मदद करने में जुटा है। इसके साथ ही यूक्रेन से युद्ध में चीन उपकरणों के जरिये मदद की भी आशंका जताई गई है। जिसको लेकर अमेरिका ने चीन को सख्त चेतावनी दी है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने चीनी अफसर को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद करने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमले के बाद से चीन से सैन्य उपकरण मांगे हैं। जिससे व्हाइट हाउस में चिंता बढ़ गई है कि बीजिंग यूक्रेन को अपने देश की रक्षा करने में मदद करने के दूसरे प्रयासों को कमजोर कर सकता है।

अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन ने चीन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने प्रतिबंधों का असर खत्म करने में रूस की किसी भी तरह से मदद की तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूक्रेन सेना का दावा, अगवा मेयर फेडोरोव को लुहांस्क ले जाया गया

कीव।

यूक्रेन में सैन्य अधिकारियों ने दावा किया है कि मेलिटोपोल के मेयर इवान फेडोरोव का 11 मार्च को रूसी सुरक्षा बलों ने अपहरण कर लिया था। अब उन्हें अलगाववादी लुहांस्क क्षेत्र में ले जाया गया है। उक्रेइंस्का प्रावदा अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, जापोरिज्ज्या क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के नए अपडेट के अनुसार, मेलिटोपोल के मेयर फेडोरोव वर्तमान में लुहांस्क में है, जहां पर आतंकवाद चरम पर है। प्रशासन ने कहा कि फेडोरोव की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को बर्दियांस्क में एक विरोध रैली को रूसी बलों ने बाधित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सशस्त्र रूसी सैनिकों ने चौक को घेर लिया और लोगों को खदेड़ दिया। कब्जे वाले बलों ने लाउडस्पीकरों से रैलियों पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी के साथ कार्रवाई की। रैली के प्रतिभागियों ने यूक्रेनी और रूसी दोनों भाषा में नारे लगाए, जैसे मेलिटोपोल यूक्रेन है और जब तक आप जीवित हैं घर जाओ। राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि मेलिटोपोल मेयर को प्रताड़ित किया गया ताकि वह रूसी अधिकारियों के लिए अपना समर्थन दिखाते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड कर सकें। जब से रूस ने 24 फरवरी को अपना आक्रमण शुरू किया, तब से कई लोगों का अपहरण किया हैं। उक्रेइंस्का प्रावदा की रिपोर्ट के अनुसार, 10 मार्च को रूसी सेना ने मेलिटोपोल में जापोरिज्ज्या क्षेत्रीय परिषद के एक डिप्टी लेयला इब्रागिमोवा का अपहरण कर लिया। उसे बाद में रिहा कर दिया गया। जबकि 12 मार्च को शहर में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता ओल्गा हाइसुमोवा का अपहरण कर लिया गया था।

नेपाल के चीफ जस्टिस राणा के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव संसद में पेश

काठमांडू । नेपाल के के चीफ जस्टिस चोलेंद्र शमशेर जेबी राणा के विरुद्ध एक महाभियोग प्रस्ताव रविवार को संसद में आगे की चर्चा के लिए पेश किया गया। एक महीने पहले 98 सांसदों ने इसे प्रतिनिधि सभा में दर्ज किया था। मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल के सांसदों के हंगामे के बीच सीपीएन (माओवादी सेंटर) के एक विधायक देव गुरुंग ने प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में प्रस्ताव पेश किया। गुरुंग ने 20 सूत्री महाभियोग प्रस्ताव पेश किया, जिसे 95 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। अध्यक्ष अग्नि प्रसाद सपकोटा ने गुरुंग को महाभियोग प्रस्ताव को एचओआर में पेश करने के लिए समय आवंटित किया। प्रस्ताव पेश होने के बाद प्रतिनिधि सभा की बैठक 16 मार्च तक के लिए टाल दी गई। नेपाली कांग्रेस, माओवादी सेंटर और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के 98 सांसदों ने 13 फरवरी को प्रस्ताव पेश किया था और राणा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये थे और उच्चतम न्यायालय को सुचारू रूप से चलाने में उनकी विफलता का हवाला दिया था। महाभियोग प्रस्ताव को पेश करते हुए । अध्यक्ष सपकोटा ने घोषणा की कि बुधवार को बुलाई गई निचले सदन की अगली बैठक में प्रस्ताव पर विचार-विमर्श शुरू होगा।

मिसाइल मामले में दहशत में पाकिस्तान, एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और दो मार्शल को हटाया

इस्लामाबाद ।

नौ मार्च को गलती से भारत की तरफ से मिसाइल पाकिस्तान में दाग दिया गया। इसके बाद से ही पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। हालांकि भारत की तरफ से इस रूटीन मेटेंनेस के दौरान गलती से मिसाइल के फायर होने की बात कही जा रही है। लेकिन पाकिस्तान इतना परेशान हो गया कि उसने अपने एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और दो मार्शल को बर्खास्त कर दिया है। पाकिस्तान ने मिसाइल को लेकर वक्त रहते पता न लगाने की वजह से एयरफोर्स के अधिकारियों के खिलाफ ये कार्रवाई की है। भारत में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर रह चुके अब्दुल बासित ने इस भारत की खतरनाक साजिश करार दिया है। उन्होंने भारत की तरफ से गलती से चली मिसाइल को लेकर कहा कि 22 फरवरी 1994 को भारतीय संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। जिसमें कहा गया था कि, उन्हें पीओके वापस लेना है। खाली मिसाइल दागकर पाकिस्तानी फौज की तैयारियों का जायजा,तब नहीं लिया जा रहा था? उन्होंने कहा कि अगर ये सच है, तब बेहद खतरनाक खबर है। पाकिस्तान ने किया था मिसाइल दागने का दावापाकिस्तान की

तरफ से दावा किया गया कि हरियाणा के सिरसा से पाकिस्तान के मिंया चन्नू के अंदर मिसाइल दागी गई है।

124 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भारत का मिसाइल पाकिस्तान के मियां चन्नू इलाके में गिरा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने मीडिया से कहा, नौ मार्च को शाम छह बजकर 43 मिनट पर एक तेज गति से उड़ने वाली वस्तु ने भारतीय क्षेत्र से उड़ान भरी और वह अपना मार्ग भटक कर पाकिस्तान के क्षेत्र में प्रवेश कर गयी तथा गिर गयी।

सुनाई दिए जोरदार धमाके, मारियुपोल शहर में अब तक 2,357 लोग मरे

कीव।

रूस और यूक्रेन युद्ध के के बीच चौथे दौर की वार्ता हुई। इस वार्ता में दोनों देशों के भी सुलह का कोई रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि जंग खत्म कर शांति स्थापित करने के प्रयासों के तहत उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से बात की है। वहीं, जंग के 20वें दिन रूसी विदेश मंत्रालय का बयान आया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के द्वारा लान्च की गई मिसाइल से उनके 20 लोग मारे गए हैं, जबकि 28 लोग घायल हुए हैं। सेना के अनुसार, हमला 14 मार्च को डोनेट्स्क इलाके में एक आवासीय परिसर में टोचका-यू मिसाइल के द्वारा किया गया। वहीं, यूक्रेनी मीडिया ने बताया कि डोनबास में भीषण लड़ाई जारी है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के अनुसार, 100 रूसी सैनिक मारे गए और छह वाहन नष्ट हो गए हैं। राजधानी कीव में कम से कम तीन शक्तिशाली विस्फोटों की आवाज सुनी गई है। एक पत्रकार ने दूर से धुएं का गुबार भी देखा है। यूक्रेन की राजधानी कीव के केंद्र में जोरदार धमाका सुना गया है। द केव इंडिपेंडेंट ने सीरियन आब्जर्वेट्री फार ह्यूमन राइट्स के हवाले से बताया कि 40,000 से अधिक सीरियाई लोगों ने यूक्रेन की यात्रा करने और रूस के लिए लड़ने के लिए पंजीकरण कराया है। हालांकि, 14 मार्च तक किसी भी सीरियाई लड़ाके ने देश नहीं छोड़ा है। मारियुपोल सिटी में रूस के हमले में मरने वाले लोगों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। इसी बीच मारियुपोल सिटी काउंसिल ने पुष्टि की है कि 14 मार्च तक रूसी युद्ध के परिणामस्वरूप शहर में लगभग 2,357 लोग मारे गए हैं, और अन्य सभी अनुमान झूठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि वह रूस के खिलाफ यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराएंगे। साथ ही यूक्रेन के शरणार्थियों को अमेरिका में अनुमति देंगे, और वहां पैसा, भोजन और अन्य मानवीय सहायता भेजेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन के हमले को लेकर बयान जारी किया। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि 14 मार्च को यूक्रेन की सेना ने डोनेट्स्क इलाके में एक आवासीय परिसर में टोचका-यू मिसाइल दागी।

जिसके बाद 20 लोगों की मृत्यु हो गईं और 28 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की बुधवार को अमेरिकी संसद को वर्चुअली संबोधित करेंगे। अमेरिकी सांसदों ने कहा, हम हाउस और सीनेट में राष्ट्रपति जेलेंस्की के अमेरिकी सांसदों ने कहा, हम हाउस और सीनेट में राष्ट्रपति जेलेंस्की के संबोधन का स्वागत करने और यूक्रेन के लोगों को अपना समर्थन देने के लिए तत्पर हैं क्योंकि वे बहादुरी से लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं।

जागी जंग थमने की उम्मीद, रूस और यूक्रेन के बीच इजरायल करेगा मध्यस्थता

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में इजरायल मध्यस्थता करेगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की प्रशासन के प्रमुख एंड्री यरमक ने इसकी जानकारी दी है। उम्मीद है कि इस मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच रार थमने को लेकर कुछ बात बन सकती है।इससे पहले इजरायली राष्ट्रपति नफ्ताली बेनेट ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। रूसी मीडिया ने दावा किया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की हर मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार हैं। पहले ही तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, इसके बाद रूस के इस दावे को सकारात्मक रूप में लिया जा रहा है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी यरुशलम में पुतिन से मिलने का प्रस्ताव रखा है। जेलेंस्की ने ही इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से मध्यस्थ के रूप में कार्य करने की अपील की थी। यरुशलम यहूदी और ईसाइयों की पवित्र नगरी है।इजरायल यहूदी धर्म के अनुयायियों को लेकर संवदेना और सहानुभूति रखता है। बता दें कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की खुद यहूदी हैं। इजरायल यहूदी धर्म के अनुयायियों को लेकर संवदेना और सहानुभूति रखता है। बता दें कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की खुद यहूदी हैं। हालांकि, फिलहाल इजरायल मामले में तटस्थ रहकर अपनी भूमिका निभा रहा है। इजराइल का मानना है कि वह संकट को कम करने के लिए रूस के साथ बातचीत बनाए रखेगा। इसकारण वह संकट को कम करने के लिए रूस के साथ बातचीत बनाए रखेगा। इसकारण प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट 5 मार्च की रात अचानक रूस जा पहुंचे थे। मॉस्को में इसी मसले को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमिर और बेनेट के बीच ढाई घंटे से भी ज्यादा समय तक बातचीत हुई थी।

जंग जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं राष्ट्रपति पुतिन

पूर्व लेडी सीक्रेट एजेंट का दावा, पुतिन-जेलेंस्की में से कोई झुकने को तैयार नहीं

कैलिफोर्निया ।

रूस और यूक्रेन की जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इसका सबसे बड़ा कारण रूस और यूक्रेन के शीर्ष नेताओं के बीच जारी होड़ है। व्लादिमीर पुतिन और वोलोडिमिर जेलेंस्की में से कोई भी जंग से अपने कदम पीछे नहीं खींचना चाहता है। यूक्रेन की आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की सहयोगी रह चुकीं एक पुरानी लेडी सीक्रेट एजेंट ने दावा किया है कि पुतिन वाकई इस जंग को जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आलिया रोजा नाम की एक पूर्व एजेंट इन दिनों कैलिफोर्निया में रहती हैं। आलिया पुतिन के साथ मिलिट्री में जासूस की ट्रेनिंग ले चुकी हैं और उन्हें बहुत करीब से जानती हैं। वे बताती हैं कि पुतिन हार नहीं सकते और जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आलिया इन दिनों कैलिफोर्निया में क़रीब 15 मिलियन पाउंड यानी करीब डेढ़ अरब रुपए के एक आलीशान बंगले में रहती हैं। और एक मिलियन-डॉलर के फैशन बिजनेस की मालकिन हैं। आलिया एक रूसी मिलिट्री जनरल की बेटी हैं और किसी ज़माने में वो रूस के लिए एक जासूस के तौर पर काम करती थीं। अपनी खूबसूरती के सहारे आलिया अपने दुश्मन देशों के अफ़सरों को रिझाती और फिर उसने अपने देश के ख़ातिर ख़ुफ़िया जानकारियां इकट्ठा करती थीं। अभी भी आलिया के कई दोस्त और उनके घरवाले रूस और यूक्रेन दोनों देशों में रहते हैं, जबकि वो खुद अमेरिका में रहती हैं। लेकिन इस बार उन्होंने पुतिन को लेकर जो दावा किया है, उसने लोगों को चिंतित कर दिया है। खुद आलिया ने कहा है कि चूंकि वो पुतिन की शख्सियत के इस पहलू को जानती हैं, इसलिए वो खुद उन्हें लेकर बहुत फिक्रमंद हैं। आलिया रोज़ा और पुतिन को रूस में एक ही मिलिट्री प्रोग्राम के तहत ट्रेनिंग दी गई थी। इस ट्रेनिंग में उन्हें ये भी सिखाया गया था कि कैसे बहुत मुश्किल हालात में भी उन्हें शांति से काम लेना होता है। आलिया की मानें तो ये पुतिन ही थे, जिन्होंने उन्हें खुद ये सिखाया था कि उसे मर्दों को कैसे रिझा कर उनके राज़ उगलवाने हैं। आलिया के मुताबिक, खुद पुतिन इस मामले में काफ़ी सुलझे हुए हैं और यूक्रेन से जंग के दौरान भी उनके चेहरे पर कोई ख़ास तनाव नहीं दिखता। लेकिन ये भी एक सच्चाई है कि पुतिन को जीतने की आदत है। और वो किसी भी क़ीमत पर हार नहीं सकते। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनकी साख ख़राब होगी और यही वो बात है, जिसकी वजह से वो कह रही हैं कि पुतिन इस जंग को जीतने के लिए सारी हदों से आगे निकल जाएंगे। ये और बात है कि फिलहाल यूक्रेन में रूसी सेना को जिस तरह के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, इससे उन्हें दिक्कत हो रही है। आलिया रोज़ा का कहना है कि कुछ मामलों में पुतिन का रवैया साफ़ है। वो किसी भी क़ीमत पर नाटो देशों को यूक्रेन में अपने हथियार या फ़ौज को तैनात करने से रोकना चाहते हैं। और इसके लिए वो किसी भी हद तक जा सकते हैं। ख़ास बात ये है कि इस बार यूक्रेन ने जिस तरह से रूस का डट कर मुकाबला किया है और जिस तरह नाटो देश उसका साथ दे रहे हैं ।

संक्षिप्त समाचार

दो साल बाद चीन में लौटा कोरोना, कई शहरों में लागू हुआ लाकडाउन

बीजिंग । दुनिया भर के अधिकांश देश कोरोना मामलों में गिरावट के साथ सामान्य जीवन की तरफ बढ़ रहे हैं। लेकिन चीन वर्तमान में दो वर्षों में वायरस का सबसे खराब प्रकोप को झेल रहा है। रविवार को देश ने एक ही दिन में 3,100 नए कोविड केस सामने आए वहीं बीते 24 घंटे में कोरोना के 5,280 नए मामले सामने आए हैं। जो दो वर्षों में सबसे अधिक है। कुछ स्थानीय अधिकारियों ने मामलों में वृद्धि के लिए ओमिक्रॉन वेरिएंट को जिम्मेदार ठहराया है। मामलों में वृद्धि के साथ, चीन के विभिन्न हिस्सों में लाखों लोग अब लॉकडाउन में रह रहे हैं। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए चीनी सरकार ने हाई-टेक शेनझेन शहर को लॉकडाउन के तहत रखा। शहर की आबादी 17 मिलियन से अधिक है। शेन्ज़ेन सभी समुदायों, गांवों को सील कर देगा और सोमवार से रविवार तक बस और मेट्रो सेवाओं को निलंबित कर दिया गया। जिलिन शहर को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया था, जबकि यानजिम को 700,000 लोगों के शहरी क्षेत्र में रविवार को लॉकडाउन में रखा गया है। चीन हमेशा अपनी जीरो कोविड पॉलिसी को लेकर खुद ही अपनी पीठ थपथपाता रहता है। लेकिन कोरोना की नई लहर आने पर लॉकडाउन का ही सहारा लिया जाता है। हर व्यक्ति की कोरोना जांच की जाती है। नए वेरिएंट के प्रकोप को देखकर चीन ने पहली बार कोरोना का पता लगाने के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट के उपयोग की अनुमति देने का निर्णय लिया है। यह मामलों की जल्द खोज को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इस बीच, शेनझेन शहर इस सप्ताह शहर भर में तीन दौर के कोविड -19 परीक्षण करेगा।

पाकिस्तान में होगी डीजल की किल्लत, सिफ 5 दिन का स्टॉक बचा : रिपोर्ट

इस्लामाबाद । रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 112 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं जो युद्ध से पहले 94 डॉलर प्रति बैरल थी। पाकिस्तान के पास अब केवल पांच दिनों का डीजल स्टॉक बचा है। युद्ध के कारण 2008 के बाद से वैश्विक डीजल स्टॉक और अन्य मिडिल डिस्टिलेट की उपलब्धता में न्यूनतम मौसमी स्तर तक कमी आ गई है। तेल उद्योग की संस्था ऑयल कंपनीज एडवाइजरी काउंसिल (ओसीएसी) ने पहले ही पाकिस्तानी सरकार को वैश्विक स्तर पर स्टॉक की कमी के कारण डीजल की कमी के संकट के बारे में चेतावनी दी थी। दूसरी वजह यह थी कि पाकिस्तानी बैंकों ने भी तेल कंपनियों को हाई रिस्क कैटेगरी में डाल दिया था और कर्ज देने से इनकार कर दिया था। ओसीएसी ने इस संबंध में हस्तक्षेप करने के लिए पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक के गवर्नर को एक पत्र भी लिखा था।राज्य द्वारा संचालित तेल कंपनी पाकिस्तान स्टेट ऑयल (पीएसओ) ने ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम डिवीजन) को महानिदेशक, तेल को भेजे गए एक पत्र में स्थिति के बारे में सूचित किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने दिसंबर से मार्च तक तेल आयात, विशेष रूप से हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में चूक की थी।

रूसी अरबपति कारोबारी की चेतावनी, ऐसा करके रूस 100 साल पीछे चला जाएगा

मॉस्को । यूक्रेन पर हमले के बाद कई कंपनियां या रूस छोड़ चुकी हैं,या फिर छोड़ने की घोषणा कर चुकी हैं। इसके बाद वहां उन कंपनियों के एसेट्स को जब्त किया जा रहा है। इस लेकर रूस के सबसे अमीर बिजनेसमैन ने क्रेमलिन को चेतावनी देकर कहा है कि इस तरह के कदम से देश 100 साल से ज्यादा पीछे चला जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार मेटल इंडस्ट्री के दिग्गज कंपनी नोरिल्स्क निकेल के अध्यक्ष और सबसे बड़े शेयर धारक व्लादीमीर पोटानिन ने चेतावनी देकर कहा है कि अगर रूस ने पश्चिमी कंपनियों और निवेशकों के लिए दरवाजे बंद किए, तब रूस के 1917 की क्रांति के कठिन दिनों में फिर से पहुंच जाने का खतरा है। उन्होंने रूसी सरकार से संपत्ति की जब्ती के संबंध में अत्यधिक सावधानी बरतने की गुजारिश की। उन्होंने कहा, सबसे पहले यह हमें 100 साल पीछे 1917 में ले जाएगा और इस तरह के एक कदम का परिणाम हम कई दशकों तक अनुभव होगा। दूसरा यह है कि रूस में संचालन को निलंबित करने का कई कंपनियों का फैसला कुछ हद तक भावनात्मक है और विदेशों में जनता की राय से उन पर बने अभूतपूर्व दबाव की वजह से लिया गया हो सकता है। इसके बाद सबसे अधिक संभावना है कि वह जल्दी ही वापस आ जाएं और व्यक्तिगत रूप से में उनके लिए ऐसा अवसर रखूंगा। यूक्रेन पर रूसी हमले और प्रतिबंधों के जवाब में दर्जनों अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों ने अपने ज्वाइंट वेंचर, कारखानों, दुकानों और कार्यालयों और अन्य संपत्तियों को रूस में छोड़ दिया है। गोल्डमैन सैक्स और जेपी मॉर्गन ने भी रूस छोड़ने का फैसला किया है। यह दोनों पहले प्रमुख पश्चिमी बैंक हैं, जिन्होंने ऐसा ऐलान किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि उन्होंने रूस छोड़ने वाली विदेशी कंपनियों का एक्सटर्नल मैनेजमेंट शुरू करने की योजना का समर्थन किया है। क्रेमलिन द्वारा पोस्ट और सरकारी मीडिया पर प्रसारित वीडियो के मुताबिक पुतिन ने कहा है, हमें उन(कंपनियों) के साथ निर्णायक कार्यवाही करने की आवश्यकता है जो अपना उत्पादन बंद करने जा रहे हैं।

सुविचार — गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षडयंत्र है। - महात्मा गाँधी

संपादकीय

युद्ध में तेजी

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध बढ़ता चला जा रहा है और अब तो नाटो देशों की दहलीज पर रूस धमाके करने लगा है। रूस का हठ है कि यूक्रेन जल्दी से जल्दी झुक जाए और यूक्रेन सहित अन्य देशों की कोशिश है कि रूस तत्काल युद्ध को रोके। चिंता इस खबर से भी बढ़ गई है कि रूस ने चीन से मदद मांगी है। एक युद्धरत देश को पैसे की भी जरूरत होती है और हथियार या तकनीकी मदद की भी। अमेरिका का दावा है कि रूस ने चीन से एक खास उपकरण की मांग भी की है। हालांकि, यह उपकरण पर्याप्त मात्रा में चीन के पास नहीं है। क्या चीन आगे बढ़कर रूस की मदद करेगा? अभी जो स्थिति है, उसमें चीन कूटनीतिक रूप से रूस की मदद कर रहा है, लेकिन अगर वह सैन्य मदद के लिए भी आगे आता है, तो यह युद्ध और गंभीर हो जाएगा। रूस की जरूरत अभी खुलकर सामने नहीं आई है, लेकिन देर-सबेर उसे मदद की जरूरत पड़ेगी और उसे चीन से ही सर्वाधिक उम्मीद रहेगी। विगत वर्षों में रूस और चीन के बीच घनिष्ठता बहुत बढ़ गई है। दोनों एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए अगर आगे आ जाएं, तो आश्चर्य नहीं। हालांकि, चीन के लिए यह आसान नहीं है। जिस प्रकार से रूस पर प्रतिबंध लगे हैं, उसमें कोई भी देश खुलकर उसकी मदद की स्थिति में नहीं है और छिपकर मदद करना भी आसान नहीं है। अमेरिका कड़ी निगाह रखे हुए है, अतः चीन को अपना अगला कदम काफी सोच-विचारकर उठाना होगा। जब अमेरिका और यूरोप के साथ संबंध चीन की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं, तब वह अपने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार रूस का समर्थन कैसे कर सकता है? वैसे अमेरिका और यूरोपीय देशों को यह शंका है कि चीन द्विपक्षीय संधि के तहत रूस की तकनीकी मदद कर सकता है। विशेषज्ञ यहां तक कहते हैं कि चीन के लिए यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक संबंध रूस के मुकाबले कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। फिर भी अगर चीन युद्ध में उतरता है, तो करीब 1,200 अमेरिकी सैनिक तैयार खड़े हैं। जहां रूस के हमले तेज होते जा रहे हैं, वहीं अमेरिकी बेचैनी भी बढ़ती चली जा रही है। ऐसे में, किसी भी तीसरे देश का रूस की मदद के लिए उतरना भयावह रूप ले लेगा। बहरहाल, चीन पूरी सावधानी के साथ चल रहा है। उसे दोस्त की भी परवाह है और दुनिया की भी। चीन ने अमेरिका, यूरोप और अन्य पश्चिमी सहयोगियों के साथ-साथ जापान व ताइवान जैसी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रतिबंधों के बावजूद रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ सामान्य व्यापार बनाए रखने का वादा किया है। क्रीमिया पर रूस के आक्रमण के बाद साल 2014 में दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया है। भारत की चिंता कुछ अलग है। रूस पर हमारी निर्भरता जगजाहिर है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में भारत को सैन्य के अलावा आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचेगा। यह हर तरह से हमारे हित में है कि युद्ध जल्द से जल्द खत्म हो। हम अपने सभी इच्छुक छात्रों को वापस ले आए हैं, लेकिन हमारी चुनौतियां बरकरार हैं। हमें विकल्प की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मुमकिन है कि रूस मदद करने की स्थिति में नहीं हो। जाहिर है, घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर रक्षा में निवेश करना होगा। ऐसे निवेश से भारत में रोजगार को भी बल मिलेगा और हमारी सैन्य ताकत भी बढ़ेगी। अगर हम समय के साथ चलें, तो यह वैश्विक आपदा भी खुद को मजबूत करने का अवसर ही है।

आज के कार्टुन

शारीरिक शक्ति

आचार्य रजनीश ओशो

शरीर को इतना शिथिल छोड़ देना है कि ऐसा लगने लगे कि वह दूर ही पड़ा रह गया है, हमारा उससे कुछ लेना-देना नहीं है। शरीर से सारी ताकत को भीतर खींच लेना है। हमने शरीर में ताकत डाली हुई है। जितनी ताकत हम शरीर में डालते हैं, उतनी पड़ती है; जितनी हम खींच लेते हैं, उतनी खिंच जाती है। आपने कभी खयाल किया, किसी से झगड़ा हो जाए, तो आपके शरीर में ज्यादा ताकत कहां से आ जाती है? शरीर आपका है, यह ताकत कहां से आ गई? यह ताकत आप डाल रहे हैं। जरूरत पड़ गई है, खतरा है, मुसीबत है, दुश्मन सामने खड़ा है। पत्थर को हटाना है, नहीं तो जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी। तो आप अपनी सारी ताकत डाल देते हैं शरीर में। एक बार ऐसा हुआ, एक आदमी दो वर्षों से पैरेलाइज्ड था। उठ नहीं सकता, हिल नहीं सकता। डॉक्टरों ने कह दिया कि अब यह जिंदगी भर पक्षाघात ही रहेगा। फिर अचानक एक रात उस आदमी के घर में आग लग गई। सारे लोग घर के बाहर भागे। बाहर जाकर उन्हें खयाल आया कि अपने परिवार के प्रमुख को तो भीतर छोड़ आए हैं-बूढ़े को। वह तो भाग भी नहीं सकता, उसका क्या होगा? लेकिन तब उन्होंने देखा कि-अंधेरे में कुछ लोग मशालें लेकर आए-तो देखा कि बूढ़ा उनके पहले बाहर निकल आया है। उन सब ने उससे पूछा, आप चलकर आए क्या? उसने कहा, अरे! वह वहीं पक्षाघात खाकर फिर गिर पड़ा। उसने कहा कि मैं तो चल ही कैसे सकता हूं? यह कैसे हुआ? लेकिन चल चुका था वह, अब हुआ का सवाल ही न था। आग लग गई थी घर में, सारा घर भाग रहा था। एक क्षण को वह भूल गया कि मैं लकवा का बीमार हूं। सारी शक्ति वापस शरीर में उसने डाल दी, लेकिन बाहर आकर जब मशाल जलीं और लोगों ने देखा कि आप! आप बाहर कैसे आए? उसने कहा, अरे! मैं तो लकवे का बीमार हूं। वह वापस गिर पड़ा, उसकी शक्ति फिर पीछे लौट गई। अब उसकी ही समझ के बाहर है कि यह कैसे घटना घटी। अब उसे सब समझा रहे हैं कि तुम्हें लकवा नहीं है, क्योंकि तुम इतना तो चल सके; अब तुम जिंदगी भर चल सकते हो। लेकिन वह कहता है, मेरा तो हाथ भी नहीं उठता, मेरा पैर भी नहीं उठता। यह कैसे हुआ, मैं भी नहीं कह सकता। पता नहीं कौन मुझे बाहर ले आया। कोई उसे बाहर नहीं ले आया। वह खुद ही बाहर आया। लेकिन उसे पता नहीं कि उसने खतरे की हालत में उसकी आत्मा ने सारी शक्ति उसके शरीर में डाल दी।

यूपी में लौटा 'बुलडोजर बाबा' का राज

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

उत्तर प्रदेश ने जो राजनीतिक संदेश दिया है अपने आप उसके मायने बेहद अलग है। प्रतिपक्ष की लाख कोशिशों के बावजूद भी भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से सरकार बनाने में कामयाब रहीं। दोबारा सत्ता में वापसी कर भाजपा ने साफ संदेश दे दिया कि है कि उसके मुकाबले विपक्ष कहीं नहीं ठहरता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता बरकरार है। भाजपा जातिवाद की राजनीति को ध्वस्त कर पुनः सत्ता में वापसी की है। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक में यह बहुत बड़ी सफलता है। योगी आदिनाथ ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो 37 सालों में दोबारा शपथ ले रहे हैं और सत्ता में वापसी कराएं। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। भाजपा ने कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के साथ सपा को यह संदेश देने में सफल हुईं है कि प्रदेश में अब विकास विश्वास की राजनीति ही सफल होगी जातिवाद का कोई स्थान नहीं है। राज्य में भाजपा की वापसी के पहले समाजवादी और बहुजन समाज पार्टी का सियासी दबदबा था। राममंदिर आंदोलन के बाद भाजपा सत्ता में जबरदस्त वापसी कि थी लेकिन मंडल की राजनीति ने उसे गायब कर दिया। राज्य में 90 के दशक के बाद कांग्रेस कि वापसी नहीं हो पाई। 40 साल तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस हर चुनाव में अपना जनाधार खोती चली गई। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता के लबादे में इतना उलझी कि मंडल-कमंडल की राजनीति में उसका अस्तित्व ही खत्म हो गया। इसके बाद कांग्रेस सत्ता में फिर वापस नहीं हो पाई। उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले जातिवादी राजनीति चरम पर थी। राज्य में राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा की सत्ता में वापसी हुई। लेकिन इसके बाद यहां सपा-बसपा की जातिवादी राजनीति हावी रहीं।लेकिन 2014 में केंद्र की सत्ता में भाजपा की वापसी के बाद जहां राज्य में कांग्रेस खत्म होती चली गई वहीं उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त वापसी की। उत्तर प्रदेश में भाजपा को घेरने के लिए सपा -बसपा कांग्रेस ने कई प्रयोग दुहराए लेकिन उसका कोई खास प्रभाव नहीं दिखा। क्योंकि विपक्ष चाह कर भी आंतरिक रुप से टूटा और बिखरा था जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार होने की वजह से विकास पर भी काफी गहरा प्रभाव पड़ा। जिस मुद्दों से कांग्रेस बचती थी भाजपा उसे फ्रंटफुट पर खेला। राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक, एनआरसी और हिंदुत्व जैसे मुद्दों को धार दिया। 'सबका साथ सबका विकास' वाले मंत्र को अपनाकर भाजपा आगे बढ़ी और कामयाब हुईं। उत्तर प्रदेश में भाजपा जितनी मजबूत हुई विपक्ष उतना कमजोर हुआ। वर्तमान समय में बदले सियासी हालात में विपक्ष को गंभीरता से विचार करना होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा के मुकाबले विपक्ष कहीं दिख नहीं रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2022 के आम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने 2024 का भी मार्ग प्रशस्त कर दिया है। क्योंकि विपक्ष के तमाम प्रयासों के बावजूद भी भाजपा को घेरने में वह कामयाब नहीं हो सका है। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी मानी जाती रही। मायावती चार-चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। लेकिन बहुजन समाज पार्टी इतनी जल्द कमजोर हो जाएगी इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। देश में आज जिस तरह कांग्रेस गुजर रहीं है वहीं हालत बहुजन समाज पार्टी की है। हालांकि आज भी दलित मत उसके साथ है, लेकिन अब उसकी संख्या भी कम हो चली है। सिर्फ दलितों के भरोसे वह चुनाव को नहीं जीत सकती है। 2007 सोशलइंजीनियरिंग के जरिए अगड़े और दलितों को लेकर उन्होंने सरकार बनायी थी। लेकिन इस बार के आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की जो दुर्गति हुई है वह चिंतनीय। चुनाव परिणाम को देखकर साफ होता है कि दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी का अस्तित्व खत्म हो चला है। मायावती अभी तक कोई सियासी उत्तराधिकारी नहीं दे सकी हैं। साल 2017 में 19 सीटों पर जीत हासिल करने वाली बहुजन समाज पार्टी एक सीट पर सिमट गई। उसे करीब 12.9 फ़ीसदी मत मिले। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जमीनी मेहनत किया लेकिन उनके कार्यकर्ताओं ने जोश में होश खो दिया। अति उत्साह में समाजवादी कार्यकर्ताओं ने जिस तरह सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए उसका खमियाजा उसे भुगतना पड़ा। अखिलेश यादव की तरफ से बहुत अच्छी मेहनत की गई लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। फिर भी अकेले दम पर उन्होंने जो मेहनत की वह प्रशंसनीय है। राज्य में सपा ने 35 फ़ीसदी वोट हासिल करके भी सत्ता में वापसी नहीं कर पाए। 124 सीटों पर संतोष करना पड़ा। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी 41.3 फ़ीसदी से वोट हासिल कर 274 सीटों पर भगवा लहरा दिया। हालांकि 2017 के मुकाबले भाजपा को 46 सीटों का नुकसान हुआ है जबकि सपा को 70 सीटों का फायदा मिला है। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 2017 का भी प्रदर्शन दोहराने में कामयाब नहीं हुईं। उसने सिर्फ दो सीटें मिली जबकि पांच सीटों का घाटा हुआ। कांग्रेस को ढाई फीसद मत हासिल हुए। कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व के लिए यह मंथन का विषय है। निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा ने नया इतिहास लिखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गए हैं। भाजपा को जीत दिलाने में उसका सांगठनिक अनुशासन, सामूहिक प्रयास और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास जीत दिलाने में कामयाब हुए हैं। राशन, सुशासन का मुद्दा भी अहम रहा है। भाजपा के मजबूत सांगठनिक ढांचे से यह कामयाबी मिली है।भाजपा अपने संगठन को मजबूत बनाने के लिए कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ती है। पार्टी के सांगठनिक ढांचे में सबको जिम्मेदारी दी जाती है। उसकी राजनीतिक सफलता के पीछे यह भी आम कारण रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा आम आदमी का विश्वास जीतने में बेहद सफल रही है। राज्य में जातीय मिथक को तोड़ने में भी वह सफल हुई है। भाजपा को काफी संख्या में पिछड़ों ने भी वोटिंग किया है। जिसकी वजह से वह दोबारा सत्ता में लौटी है।

जीवन संवारने वालों की अंतहीन दुश्वारियां

आंगनवाड़ी कर्मियों का आक्रोश/ दीपिका अरोड़ा

देश के विभिन्न भागों में कार्यरत आंगनवाड़ी कर्मी लंबे समय से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। हरियाणा सरकार की वादाखिलाफी के विरुद्ध मोर्चा खोलने वाली कार्यकर्ताओं ने गत 14 फरवरी को करनाल में अपना महापड़ाव डालते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। सीटू के बैनर तले नियमित करने की मांग को लेकर हिमाचल की सैकड़ों आंगनवाड़ी कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को बारह सूत्रीय मांग पत्र सौंपा तथा मांगें पूर्ण न होने की स्थिति में आंदोलन को राष्ट्रव्यापी स्तर पर करने की चेतावनी दी। अन्य राज्यों सहित दिल्ली से भी आक्रोश स्वर उभर रहे हैं। 'आंगनवाड़ी'' अर्थात 'आंगन आश्रय'' महिलाओं व बच्चों के पोषण व स्वास्थ्य के लिए संचालित की गई एक सरकारी संस्था है। 'एकीकृत बाल विकास सेवा' कार्यक्रम' के अंतर्गत 1975 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं को स्वस्थ एवं पोषित बनाना है। छह वर्ष से कम आयुवर्ग के लगभग 8 करोड़ बालकों को इसका लाभार्थी बनाया गया। आंगनवाड़ी केंद्र भारतीय सार्वजनिक देखभाल प्रणाली संभाग होने के नाते ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करती हैं। स्वस्थ व कुपोषण रहित भारत निर्माण के दृष्टिगत संस्था के कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जैसे- प्रतिमाह नवजात शिशु का वजन करके उसे जारी पत्रक में अंकित करना, मातृ व शिशु पत्रक सुरक्षित बनाए रखना तथा उच्चाधिकारी के आगमन पर तत्संबंधी सम्पूर्ण ब्योरा उपलब्ध कराना, 3 से 6 वर्षीय बच्चों के लिए पूर्व प्राथमिक शैक्षिक गतिविधियों का सामूहिक आयोजन, महिलाओं व बच्चों के लिए पोषाहार की व्यवस्था, परिवार नियोजन, स्वास्थ्य व पोषण से संबंधी शिक्षा देना, प्रसूताओं को मातृ-दुग्धाहार के महत्व के प्रति जागरूक बनाना, स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव पूर्व व बाद में आयोजित जांच व टीकाकरण में मदद करना, विकलांगता लक्षणों की पहचान करके उन्हें जिला पुनर्वास केंद्र भेजना आदि। केंद्रों को मौखिक पुनर्जलीकरण नमक, बुनियादी दवाओं और गर्भ निरोधकों के लिए डिपो के रूप में भी प्रयुक्त किया जा सकता है। केंद्र प्रवर्तित आंगनवाड़ी योजना में वर्ष 2010 से राजकीय बाल विकास एवं महिला मंत्रालयों की भागीदारी भी निश्चित की गई। लोकसभा में प्रस्तुत नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में लगभग 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्र हैं। इन केंद्रों का संचालन 13 लाख 25 हजार कर्मियों तथा 11 लाख 81 हजार सहायक कर्मियों के सहयोग से होता है। आंगनवाड़ी योजना के तहत चार पद सृजित किए गए हैं। क्षेत्र के सुचारु संचालन हेतु सीडीपीओ का गठन किया गया, सभी पद इसके अधीनस्थ हैं। द्वितीय पद सुपरवाइजर का है, जिसके अधीन 20 से 30 केंद्र आते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र में सर्वोच्च पद कार्यकर्ता का है। सीडीपीओ और सुपरवाइजर पद सरकारी हैं, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद संविदा क्षेत्र में आते हैं। बढ़ती महंगाई के दृष्टिगत मानदेय राशि अपर्याप्त होना, भुगतान समय निश्चित न होना, पद की अनियमितता एवं घोषणाओं का समुचित क्रियान्वयन संभव न हो पाना संघर्षरत कर्मियों के रोष का मूल कारण है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, उनकी नियत कार्यान्वयन अवधि मात्र कुछ घंटे है, किंतु कार्यकर्ताओं के अनुसार उन्हें 10 घंटे से भी अधिक कार्य करना पड़ता है। साल 2016-17 में आंगनवाड़ियों के लिए रखा गया 15,000 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान 2019-20 में बढ़कर 20,000 करोड़ तक जा पहुंचा, जो कि 2022-23 के निर्धारित बजट के समीपस्थ है। वर्ष 2018 तक कार्यकर्ताओं को 3000 रुपये मासिक मानदेय प्राप्त होता था। केंद्र द्वारा साल 2019 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं के वेतन में क्रमशः 1500 व 750 रुपए की वृद्धि की गई, राज्य सरकारों को प्रदत्त वेतन में अपना नियत हिस्सा जोड़ने को भी कहा गया। इस प्रक्रिया में लाभार्थियों की उपेक्षा देशव्यापी विरोध का स्वरूप धारण कर रही है। अकेले हरियाणा राज्य के 22 ज़िलों में लगभग 26,000 आंगनवाड़ी केंद्रों का कार्य पूर्णतः बंद पड़ा है। मांगों पर स्पष्टीकरण देते हुए यद्यपि राज्य सरकारों द्वारा अनेक आश्वासन दिए जा रहे हैं किंतु संस्था संगठन इन मौखिक घोषणाओं को अपर्याप्त मानते हैं। उनके अनुसार- कर्मी से सुपरवाइजर पदोन्नति का 50 प्रतिशत बिना किसी शर्त लागू हो, बढ़ाया गया किराया ग्रामीण क्षेत्रों में 2000, कस्बे में 3000 तथा शहरी क्षेत्रों में 5000 रुपये मिले। वर्दी के लिए देय राशि 2000 रुपये की जाए। ईंधन भत्ते में बढ़ोतरी हो अथवा गैस सिलेंडर विभाग द्वारा भरवाकर दिया जाए। कर्मियों व सहायक कर्मियों को नियमित किया जाए, सरकारी दर्जा न मिलने तक कार्यकर्ताओं को 24 हजार तथा सहायिकाओं को 16 हजार रुपये का न्यूनतम वेतन मिले। उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन हो, विभाग बिना आवश्यक संसाधन दिए ऑनलाइन कार्य न करवाए। कोरोना काल में भी कर्तव्यनिष्ठ रहे कार्यकर्ता अपनी समस्याओं के प्रति व्यवस्था की इस उदासीनता से क्षुब्ध हैं। मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वेतन निश्चित समय पर न मिल पाना उन्हें कर्जदार बना रहा है।

सू-दोकू नवताल -2070

1				3				7
8	9				7			
		4	1	6		3		2
3	5				2			4
		8		7		1		
7			3				6	9
4		2		5	6	7		
			2				5	3
6				9				8

सू-दोकू -2069 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2070

बायें से दायें:-

1. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-4
3. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-3,2
5. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-2
6. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
8. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-3
12. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-2
13. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-2
16. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
18. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-4
20. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-4
22. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-2
23. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-2
24. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की 1991 की एक फिल्म-3
28. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
2. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-3
3. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-2
4. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-4
5. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-3
7. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-1,2
9. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
10. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-2
11. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-3
13. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-3
15. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-2
16. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-2
17. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-3
18. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-2
19. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
22. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-3
25. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-2
26. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-2
27. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2069

पि	या	का	घ	र	■	ए	ल	ओ	सी
ता	रा	■	र	■	घा	त	■	म	■
■	ना	च	■	चाँ		रा	खी	■	फ
रो	■	मे	हं	दी	■	ज	■	खा	की
श	र्मी	ली	■	सो	च	■	श	■	रा
नी		■	ब	ना	र	सी	बा	बू	■
■	ग	द	र	■	स	■	ना	म	■
बा	ज	■	सा	थी	■	मि	■	■	अं
जा	ल	■	त	■	दि	ल	का	रा	जा
र	■	माँ	■	मि	ल	न	■	■	म

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुतः यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रुकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप निःसन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्रायः किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

फ्यूचर स्टोर्स का रिलायंस को स्थानांतरण धोखाधड़ी है:अमेजन

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह द्वारा कुछ दिन पहले फ्यूचर समूह के कुछ स्टोर्स पर कब्जा करने के बाद अमेजन डॉट कॉम इंक ने दोनों कंपनियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया और कहा कि इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि रिलायंस समूह ने फ्यूचर समूह के जिन स्टोर्स पर कब्जा लिया है उनके पट्टे किराए का भुगतान नहीं करने के कारण समाप्त हो गए थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने फ्यूचर ग्रुप के रिटेल और लॉजिस्टिक्स कारोबार का अधिग्रहण करने के लिए अगस्त, 2020 में 24,713 करोड़ रुपए के सौदे की सहमति दी थी, लेकिन फ्यूचर समूह के साझेदार अमेजन ने कुछ अनुबंधों के उल्लंघन का हवाला देकर अदालत का दरवाजा खटखटाया जिसके कारण यह सौदा पूरा नहीं हो पाया है। रिलायंस रिटेल ने फ्यूचर रिटेल को दिए उन 947 स्टोर्स की सब-लीज (उप-पट्टे) समाप्त कर दी थी जिन्हें उसने पहले अपने अधिकार में लिया था। पिछले महीने रिलायंस रिटेल ने ऐसे स्टोर्स का कब्जा ले लिया था जिनका किराया फ्यूचर समूह नहीं चुका पा रहा था। ये स्टोर फ्यूचर समूह को परिचालन के लिए किराए पर दिए गए थे। अमेजन ने अखबारों में सार्वजनिक नोटिस के नाम से एक विज्ञापन दिया है जिसमें कहा गया है कि इन गतिविधियों को भारत में धोखाधड़ी करके एक गुप्त तरीके से अंजाम दिया गया है। उसने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष यह गलतबयानी करने का आरोप लगाया कि खुदरा संपत्ति फ्यूचर रिटेल (एफआरएल) के पास ही रहेगी जब तक कि रिलायंस सौदे को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा अनुमोदित नहीं किया जाता है।अमेजन ने कहा` कि ये झूठे बयान जानबूझकर दिए गए थे क्योंकि एफआरएल खुदरा संपत्ति को मुकेश धीरूभाई अंबानी (एमडीए) समूह को कथित तौर पर सौंपने की अनुमति देने के कगार पर था।

वाहन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत 75 कंपनियों को 'प्रोत्साहन' की मंजूरी

नयी दिल्ली।

वाहन और वाहन कलपुर्जा विनिर्माण क्षेत्रों के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत मारुति सुजुकी, हीरो मोटोकॉर्प और टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट्स सहित 75 कंपनियों को प्रोत्साहन दिए जाने की मंजूरी दी गई है।सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि उपकरण चैंपियन प्रोत्साहन योजना के तहत 75 अनुमोदित आवेदकों की तरफ से 29,834 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने का अनुमान है। भारी उद्योग मंत्रालय ने इसके पहले 20 आवेदकों को चैंपियन ओईएम प्रोत्साहन योजना के तहत चुना था। ये दोनों वाहन उपकरण प्रोत्साहन योजनाएं पीएलआई पहल का ही हिस्सा हैं। पीएलआई योजना के तहत वाहन कलपुर्जा उद्योग को उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों की स्वदेशी आपूर्ति शृंखला में नए निवेश करने पर 18 प्रतिशत राशि का प्रोत्साहन दिया जाता है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना 74,850 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश आकर्षित करने में सफल रही है जबकि इसके लिए पांच वर्षों में 42,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया था। सरकार को चैंपियन ओईएम प्रोत्साहन योजना के तहत 45,016 करोड़ रुपये और कलपुर्जा चैंपियन प्रोत्साहन योजना के तहत 29,834 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आवेदकों से प्राप्त हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत चुनी गई कंपनियों में दो गैर वाहन निवेशक (कलपुर्जा) कंपनियां भी शामिल हैं।

रूस से सस्ता तेल खरीदने की तैयारी, पुतिन के प्रस्ताव पर विचार कर रही सरकार

मुंबई ।

यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस चारों तरफ से घिर चुका है। कई देश उसके खिलाफ सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा चुके हैं। अमेरिका ने तो रूस के तेल एवं गैस को भी प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि कई यूरोपीय देश ऐसा करने की तैयारी में हैं। बदले हालात में रूस अपने तेल और गैस समेत अन्य कमॉडिटीज के लिए नए बाजार तलाश रहा है। इसका सीधा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। रूस से मिले भारी डिस्काउंट ऑफर के बाद अब भारत उससे सस्ते में क्रुड ऑयल व अन्य कमॉडिटीज खरीदने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट में दो भारतीय अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि रूस के डिस्काउंट ऑफर पर विचार किया जा रहा है। रूस से क्रुड ऑयल और कुछ अन्य कमॉडिटीज को डिस्काउंट पर खरीदने का ऑफर मिला है। इसका भुगतान भी रुपया-रूबल ट्रांजेक्शन होगा। कमॉडिटीज को डिस्काउंट पर खरीदने का ऑफर मिला है। इसका भुगतान भी रुपया-रूबल ट्रांजेक्शन होगा। एक अधिकारी ने कहा` कि रूस तेल और अन्य कमॉडिटीज पर भारी ऑफर दे रहा है। हमें उन्हें खरीदने में खुशी होगी। अभी हमारे साथ टैंकर, इंश्योरेंस कवर और ऑयल ब्लेंड को लेकर कुछ इश्यूज हैं। इन्हें सोल्व करते ही हम डिस्काउंट ऑफर एक्सेप्ट करने लगेंगे। रूस के ऊपर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कई सारे इंटरनेशनल ट्रेडर रूस से तेल या गैस खरीदने से परहेज कर रहे हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों का कहना है कि ये प्रतिबंध भारत को रूस से ईंधन खरीदने से नहीं रोकते हैं। अधिकारी का कहना है कि रुपया-रूबल में व्यापार करने की व्यवस्था तैयार करने पर काम चल रहा है।

इस व्यवस्था का इस्तेमाल तेल और अन्य चीजों को खरीदने में किया जाएगा। दोनों अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि रूस कितना डिस्काउंट दे रहा है या डिस्काउंट पर कितना तेल ऑफर किया गया है।

आरबीआई ने छोटा कर्ज देने वाली कंपनिथों पर कसा शिकंजा, मनमाना ब्याज लेने पर लगाई रोक

बिजनेस डेस्क।

आरबीआई ने कर्ज में डूबे उन ग्राहकों को बड़ी राहत दी है, जिन्होंने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों (संस्थानों) से कोई कर्ज लिया है या लेने वाले हैं। दरअसल, आरबीआई ने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से दो टूक कहा है कि वे कुछ शर्तों के साथ लोन की ब्याज दर तय कर सकती हैं लेकिन ग्राहकों से ज्यादा ब्याज नहीं वसूल सकती हैं क्योंकि ये शुल्क और दरें केंद्रीय बैंक की निगरानी के दायरे में होंगी। इसके साथ ही इन कंपनियों को तीन लाख रुपए तक सालाना कमाई वाले परिवारों को बिना किसी गारंटी के लोन देना होगा। इससे पहले यह कर्ज सीमा ग्रामीण कर्जदाताओं के लिए 1.2 लाख रुपए और शहरी कर्जदाताओं के लिए दो लाख रुपए थी। आरबीआई का यह नया नियम एक अप्रैल 2022 से लागू होगा। केंद्रीय बैंक ने दिशा निर्देश में कहा कि माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को कर्ज से जुड़े शुल्कों की एक लिमिट तय करनी होगी। इसका मतलब है कि ये कंपनियां ग्राहकों से मनमाना ब्याज नहीं वसूल सकती हैं। इसके साथ ही सभी रेगुलर इकाइयों को निदेशक-मंडल की अनुमति वाली एक नीति लागू करनी चाहिए। इसमें माइक्रो फाइनेंस लोन की कीमत, कवर, ब्याज दरों की अधिकतम सीमा और सभी अन्य शुल्कों के बारे में स्पष्टता लानी होगी। अपने नए दिशा-निर्देशों में आरबीआई ने कहा है कि प्रत्येक रेगुलर इकाई को एक

संभावित कर्जदार के बारे में कीमत-संबंधी जानकारी एक फैक्टशीट के रूप में देनी होगी। कर्ज लेने वाला अगर अपने कर्ज को समय से पहले चुकाना चाहता है तो उस पर किसी तरह का जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए। हालांकि, अगर किस्त के भुगतान में देरी होती है तो माइक्रो फाइनेंस कंपनियां ग्राहक पर जुर्माना लगा सकते हैं लेकिन वह भी पूरे कर्ज की राशि पर नहीं बल्कि बकाया राशि पर ही।

संक्षिप्त समाचार

टोयोटा किर्लोस्कर ने नई ग्लांजा बाजार में पेश की

नई दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने प्रीमियम हैचबैक गाड़ी ग्लांजा का नया संस्करण भारतीय बाजार में पेश` किया है, जिसकी शुरुआती कीमत 6.39 लाख रुपए रखी गई है। इस मॉडल में 1197 सीसी का पेट्रोल इंजन है और यह मैनुअल तथा ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प दोनों में उपलब्ध है। ग्लांजा के पांच स्पीड वाले मैनुअल संस्करण की कीमत 6.39 लाख रुपए से 9.19 लाख रुपए के बीच है जबकि ऑटोमैटिक संस्करण की कीमत 7.79 लाख रुपए से 9.69 लाख रुपए के बीच है। इसकी अन्य खासियतों में छह एयरबैग, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, हिल होल्ड कंट्रोल, हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा और नौ इंच का स्मार्ट प्ले कास्ट शामिल है। टीकेएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष तदाशी असाजुमा ने कहा` कि यह विशेषतौर पर उन लोगों के लिए है जो स्टाइल और आधुनिक तकनीक वाली सुरक्षित तथा आरामदायक कार चाहते हैं। टोयोटा ग्लांजा 2019 में बाजार में आई थी। अब तक कंपनी ने घरेलू बाजार में 66,000 से अधिक ग्लांजा कारें बेची हैं।

मारुति सुजुकी के 10 लाख सीएनजी वाहन बिके

नई दिल्ली । कार बनाने वाली प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि उसके सीएनजी श्रेणी के वाहनों की कुल बिक्री का आंकड़ा 10 लाख इकाई को पार कर गया है। अभी कंपनी के पास निजी और वाणिज्यिक श्रेणी के नौ एस-सीएनजी वाहन हैं जिनमें आल्टो, एस-प्रेसो, वैगनआर, सेलेरियो, डिजायर, अर्टिगा, इको, सुपर कैरी और टूर-एस शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी केनिचि अयूकावा ने एक बयान में कहा ` कि हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को सुरक्षित, भरोसेमंद, स्वच्छ, आधुनिक तकनीक वाले और पर्यावरण अनुकूल वाहनों की पेशकश करना है। हमारी एस-सीएनजी रेंज को भारत में वाहन चालन की परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन, विकसित और विनिर्मित किया गया है।

आठ सहकारी बैंकों पर 12.75 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए आठ सहकारी बैंकों पर 12.75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने खुलासा मानकों एवं वैधानिक, अन्य प्रतिबंध यूसीबी के तहत निर्देशों का पालन न करने के लिए नबापल्ली सहकारी बैंक लिमिटेड (पश्चिम बंगाल) पर चार लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बघाट शहरी सहकारी बैंक लिमिटेड (हिमाचल प्रदेश) पर तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने मणिपुर महिला सहकारी बैंक लिमिटेड (मणिपुर), यूनाइटेड इंडिया सहकारी बैंक लिमिटेड (उप्र), जिला सहकारी अमरावती मर्चेंट सहकारी बैंक लिमिटेड (अमरावती), ।

पेटीएम बैंक को आरबीआई के पत्र में डेटा एक्सेस का जिक्र नहीं: विजय शेखर

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को लिखे अपने पत्र में डेटा एक्सेस के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया है, लेकिन तीसरे पक्ष से ऑडिट कराने के लिए कहा गया है। डिजिटल वित्तीय सेवा फर्म वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबीएल) के प्रवर्तक विजय शेखर शर्मा ने बताया कि बैंक पूरी तरह से भारतीय स्वामित्व वाली इकाई है और उसने भारतीय तकनीक के आधार पर अपना सिस्टम बनाया है। आरबीआई ने पिछले हफ्ते पीपीबीएल को निर्देश दिया था कि वह नए खाते खोलना बंद कर दे। बैंक को अपने आईटी सिस्टम का व्यापक ऑडिट करने के लिए एक आईटी ऑडिट फर्म नियुक्त करने का भी निर्देश दिया गया है। शर्मा ने कहा कि आरबीआई ने उन कार्यों की एक स्पष्ट सूची बताई है, जिन्हें पेटीएम बैंक को पूरा करना है और ऑडिट करना है। उन्होंने कहा कि वह इस बात की पुष्टि करना चाहते हैं कि अवलोकन पत्र में अनधिकृत डेटा एक्सेस का कोई जिक्र नहीं है।

आधार लिंक की आ खिरी तारीख 31 मार्च, नहीं तो देना होगा 1000 जुर्माना

मुंबई । सरकार ने आपके पैन और आधार को लिंक कराने की ओ खिरी तारीख 31 मार्च घोषित की है। यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो आपको लेट फाइन के रूप में 1000 रुपए का भुगतान करना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आपके पैन और आधार को लिंक करके, सरकार आपके वित्तीय लेनदेन का आसानी से पता लगा सकेगी, धोखाधड़ी और टैक्स से बचाव को रोक सकेगी। आपके पैन को आधार कार्ड से लिंक करने की समय सीमा सरकार द्वारा कई बार बढ़ाई जा चुकी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अनुसार स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्डधारकों को ओ खिरी तारीख से पहले 31 मार्च तक अपने आधार कार्ड नंबर को लिंक करना होगा। मौजूदा कानूनों के तहत, अपने पैन को अपने आधार नंबर से जोड़ना अनिवार्य है। इसके अलावा, आयकर रिटर्न दाखिल करते समय अपने आधार नंबर को उद्धृत करना अनिवार्य है और सरकार से पेंशन, छात्रवृत्ति, एलपीजी सब्सिडी, आदि जैसे मौद्रिक लाभ प्राप्त करने के लिए भी यह जरूरी है।

सोना और चांदी हुआ सस्ता, पांच दिन में 3500 रुपए गिरा

मुंबई ।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हल्का होने की आशा के बीच मंगलवार को सोने और चांदी में बिकवाली का दबाव देखा गया है। युद्ध को कम करने के लिए दोनों देशों के अधिकारियों की चर्चा चल रही है और उम्मीद है कि वे जल्द ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। ग्लोबल इक्विटी मार्केट में तेजी आई है और बुलियन पर दबाव देखने को मिला है। यूएस फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय नीति बैठक हो रही है और बाजार की सहमति यह है कि यूएस फेड इस बैठक में ब्याज दरें बढ़ा सकता है। इन्हीं कारणों की वजह से कीमती धातुओं में 0.5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स पर सोना वायदा 52000 रुपए प्रति दस ग्राम से नीचे आ गया है। जबकि चांदी के दाम 69 हजार रुपए प्रति किलोग्राम से नीचे आ गई हैं। बीते पांच दिनों में सोना 3500 रुपए प्रति दस ग्राम से ज्यादा सस्ता हो गया है। सुबह एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 437 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ 51867 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का वायदा भाव 614 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 68230 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा

था। एक बसाइट के अनुसार 24 कैरेट हाजिर सोने का भाव 10 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ तेजी के साथ 52460 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है और चांदी का हाजिर भाव 1000 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 69000 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। सुबह कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 16.80 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1944 डॉलर प्रति ओंस दर्ज ` किया गया` था।

एफडीआई नियमों का उल्लंघन कर रही हैं बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियां: कैट

नई दिल्ली।

व्यापारियों के प्रमुख संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कि कुछ बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने का प्रयास कर रही हैं। कैट ने ऐसी कंपनियों के खिलाफ कड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की मांग की है। कैट ने मंगलवार को ई-कॉमर्स नीति पर श्वेत-पत्र जारी करते हुए कहा कि इन कंपनियों के पास भारी पूंजी का लाभ है। व्यापारियों के संगठन ने कहा कि इन कंपनियों ने ''विक्रेताओं के साथ मार्केटप्लेस पर अपने संबंधों को इस तरह बनाया हुआ है कि वे अपने मंच पर विक्रेता या भंडार (इन्वेंट्री) पर नियंत्रण करने की स्थिति में हैं और साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों की जांच से भी बच निकलती हैं।'' कैट ने कहा, ''विक्रेताओं पर इस तरह के नियंत्रण या स्वामित्व की आड़ में यह मुद्दा केवल एफडीआई नीति के उल्लंघन का नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण का भी है।'' कैट ने कहा कि सरकारी नीति के तहत एकल-ब्रांड खुदरा कारोबार में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है, जबकि बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार में मंजूरी मार्ग से 51 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति है। इसमें भी सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों तथा छोटे व्यापारियों के कारोबार की रक्षा के लिए कई शर्तें शामिल हैं। कैट ने कहा कि भंडार आधारित ई-कॉमर्स कारोबार कुछ और नहीं बल्कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से संचालित बहु-ब्रांड खुदरा स्टोर है और एफडीआई नीति के तहत ई-कॉमर्स के इस तरह के मॉडल में एफडीआई की अनुमति नहीं है। हालांकि, प्रौद्योगिकी के प्रसार और इसके जरिये एमएसएमई और किराना की मदद करने को ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस स्थापित करने के लिए स्वत~ मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। लेकिन इसके साथ एक 'शर्त' भी जुड़ी है कि इस तरह के प्रौद्योगिकी मंच का संचालन करने वाली कोई भी संस्था मंच पर किसी भी विक्रेता के भंडार या इन्वेंट्री का स्वामित्व / नियंत्रण नहीं करेगी क्योंकि यह बहु-ब्रांड खुदरा व्यापार के संचालन के समान होगा। कैट ने कहा कि ये शर्तें सख्त होने के साथ-साथ स्पष्ट भी हैं लेकिन कुछ बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियां जिनके पास काफी कोष उपलब्ध है उन्होंने एफडीआई की शर्तों का उल्लंघन करने का प्रयास किया है।

पाकिस्तान में डीजल की किल्लत, पांच दिन का स्टॉक बचा!

इस्लामाबाद । यूक्रेन और रूस संघर्ष के बीच पाकिस्तान में डीजल की किल्लत हो गई है। ऐसी खबर आ रही है कि उसके पास महज पांच दिन के डीजल का स्टॉक बचा है। इस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कुछ ज्यादा ही चल रही है। इससे सभी को परेशानी हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने से पाकिस्तान पेट्रोलियम उत्पादों की कमी से जूझ रहा है। इस समय उसके पास डीजल का केवल पांच दिनों का भंडार बचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी बैंकों ने भी वहां की तेल कंपनियों को उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में रखा है। बैंकों ने इन कंपनियों को और ऋण देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान सरकार ने बीते 16 फरवरी को पेट्रोलियम उत्पादों के दाम 10 से 12 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए थे। पाकिस्तान सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार पेट्रोल की कीमतों में 12.03 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल की कीमतों में 9.53 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इसके अलावा लाइट डीजल ऑयल की कीमत में 9.43 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी और मिट्टी के तेल के दाम भी 10.08 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए गए थे। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में नई बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतें 147.82 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 159.86 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया था। हाई स्पीड डीजल की कीमत भी 144.622 रुपए से बढ़ कर 154.15 रुपए प्रति लीटर हो गई थी। इसके अलावा लाइट डीजल ऑयल के दाम 114.54 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 123.97 रुपए, मिट्टी के तेल की कीमत 116.48 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 126.56 रुपए प्रति लीटर हो गई थी।

खुदरा महंगाई बढ़कर 6.07 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली ।

सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई आठ माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 6.01 फीसदी पर थी, जो अब बढ़कर 6.07 फीसदी हो गई है। खुदरा महंगाई की ये दर रिजर्व बैंक द्वारा महंगाई को काबू में रखने की सीमा से ऊपर है, जो छह फीसदी तय की गई थी। अगर महंगाई में बढ़ोतरी का यही रुख जारी रहता है तो रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में बढ़ोतरी का रुख करना पड़ सकता है। आरबीआई ने पिछले दो सालों से रेपो रेट को करीब चार फीसदी के आसपास बनाए रखा है। अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन की ईएमआई भी बढ़ेगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक महंगाई भी फरवरी माह में बढ़ी है। यह लगातार 11वां महीना है, जब थोक महंगाई दोहरे अंकों में रही है। थोक महंगाई फरवरी में 13.11 फीसदी रही है, जो जनवरी 2022 में 12.96 फीसदी रही थी। ईंधन और बिजली की महंगाई सबसे ज्यादा 31.50 फीसदी रही है। यूक्रेन संकट के बीच दुनिया भर में तेल-गैस और धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं। इस कारण भारत में भी महंगाई में वृद्धि का रुख देखा जा रहा है। अमेरिका में मुद्रास्फीति करीब 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। फेडरल रिजर्व ने साफ तौर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है, ताकि महंगाई को काबू में किया जा सके। भारत में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कच्चे तेल के बाजार के दामों के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के रेट भी बढ़ते हैं तो महंगाई में और इजाफे की संभावना है। इससे खाद्य पदार्थों, फल और सब्जियों के दाम भी बढ़ेंगे, क्योंकि परिवहन लागत बढ़ने या कच्चा माल महंगा होने का इन पर सीधा असर पड़ता है। खुदरा मूल्य सूचकांक की बात करें तो पिछले साल फरवरी 2021 में खुदरा महंगाई 5.03 फीसदी थी। इससे पहले जून 2021 में रिटेल इन्फ्लेशन 6.26 परसेंट थी। रिजर्व बैंक से सरकार ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि खुदरा महंगाई 4 फीसदी के आसपास बनाए रखी जाए, यह दो फीसदी तक ऊपर या नीचे हो सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, फूड बास्केट यानी खाद्य पदार्थों की महंगाई 5.89 फीसदी तक पहुंच गई है।

रिलायंस न्यू एनर्जी करेगी लिथियम वेक्र्स का अधिग्रहण

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कोबाल्ट-मुक्त लिथियम बैटरी बनाने वाली कंपनी लिथियम वेक्र्स की परिसंपत्तियों का 6.1 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण करने की घोषणा की। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड ने लिथियम वेक्र्स बी वी की सभी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए पक्के करार पर हस्ताक्षर किए। इस लेनदेन का कुल मूल्य 6.1 करोड़ डॉलर है जिसमें भावी वृद्धि के लिए वित्तपोषण भी शामिल है। गैर-परंपरागत ऊर्जा क्षेत्र में कदम बढ़ा रही रिलायंस के लिए लिथियम वेक्र्स का अधिग्रहण अहम है। इस सौदे में लिथियम वेक्र्स की चीन में स्थित विनिर्माण इकाई के अलावा उसके सभी उत्पाद और मौजूदा कर्मचारी भी शामिल हैं। वर्ष 2017 में कामकाज शुरू करने वाली लिथियम वेक्र्स कोबाल्ट-मुक्त लिथियम बैटरी से जुड़ी प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण कंपनी है। इसका परिचालन अमेरिका, यूरोप एवं चीन में होता रहा है जबकि ग्राहक दुनियाभर में फैले हैं। लिथियम वेक्र्स की बनाई बैटरियां का इस्तेमाल औद्योगिक, चिकित्सा, समुद्री परिवहन, ऊर्जा भंडारण एवं वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्रों में होता है।

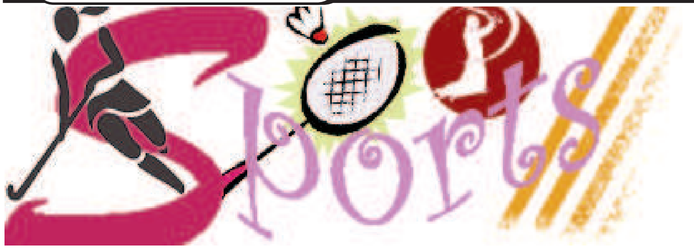

वेल्स मास्टर्स में मेदवेदेव ने मोनफिल्स को हराया

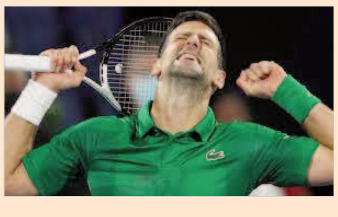

लंदन । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रुस के डेनिल मेदवेदेव इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। मेदवेदेव को तीसरे दौर में फ्रांस के गेल मोनफिल्स ने 4-6, 6-3, 6-1 से हराया। मोनफिल्स के खिलाफ मेदवेदेव ने पहला सेट 6-4 से जीतकर अच्छी शुरुआत की थी पर मोनफिल्स ने दूसरे सेट के छठे गेम में मेदवेदेव की सर्विस तोड़ी और इसके बाद 6-3 से सेट अपने नाम किया। वहीं तीसरे सेट में मेदवेदेव कई गलतियां करने के साथ ही हार गये। मेदवेदेव ने गेल के खिलाफ खेलते हुए चार ऐस लगाई जबकि उनसे एक कम डबल फॉल्टस 6 खेला। मोनफिल्स ने लगातार ब्रेक अंक लेकर दानिल की सर्विस तोड़ी। आखिरी सेट में मोनफिल्स ने मेदवेदेव को कोई अवसर नहीं देते हुए जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही मेदवेदेव का शीर्ष स्थान भी खतरे में पड़ गया है। अब उनकी जगह सर्बिया के नोवाक जोकोविच एक बार फिर विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी बन जाएंगे।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत को सिंधू , श्रीकांत ओर लक्ष्य से जीत की उम्मीद

बर्मिंघम । ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप बुधवार से यहां शुरु होगी। इसमें भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू के अलावा पुरुष वर्ग से भारत के ही शीर्ष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और युवा लक्ष्य सेन भी भाग लेंगे। भारत को अपने इन तीनों खिलाड़ियों से जीत की उम्मीद रहेंगी। भारत की ओर से अब तक केवल दो ही खिलाड़ियों पुलेला गोपीचंद (2001) और प्रकाश पादुकोण (1980) ने ही यह खिताब जीता है। अनुभवी महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल साल 2015 में फाइनल में पहुंची थी पर वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अन्य सभी खिताब जीते हैं पर ऑल इंग्लैंड में वह नाकाम रही हैं। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू एक बार फिर जीत की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगी। सिंधू अपना पहला मुकाबला चीन की वैंग झी यी के खिलाफ खेलेगी। सिंधू को पहले दो दौर के मुकाबले जीतने पर क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से खेलना पड़ सकता है। जर्मनी ओपन में थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन के खिलाफ हार झेलने वाली साइना को पहले दौर में ही थाईलैंड की दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग की कड़ी टक्कर मिल सकती है। पुरुष वर्ग में लक्ष्य का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से बेहतरीन रहा है। ऐसे में वह भी इस बार पुरुष वर्ग में लक्ष्य का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से बेहतरीन रहा है। ऐसे में वह भी इस बार जीत के दावेदार माने जा रहे हैं। लक्ष्य पिछले छह महीने से बेहतरीन फॉर्म में हैं। वह पिछले सप्ताह जर्मनी ओपन में उप विजेता रहे जबकि उन्होंने इंडियन ओपन का खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। उन्हें पहले दौर में अपने ही साथ खिलाड़ी सौरभ वर्मा से खेलना है। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अच्छी लय में नजर आए हैं और उन्हें पहले दौर में थाईलैंड के केंताफोन वेंगचेरोन से खेलना है। भारत के ही बी साई प्रणीत को पहले दौर में ही ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से खेलना पड़ेगा। समीर वर्मा अपने अभियान की शुरुआत नीदरलैंड के मार्क कालजोव के खिलाफ शुरू करेंगे। एचएस प्रणय का सामना थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न से होगा।

ऋषभ को अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलने की आजादी दी : रोहित

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि युवा बल्लेबाज ऋषभ पंत जैसे भी खेलना चाहें उसके लिए वह आजाद हैं। रोहित के अनुसार यह सही है कि ऋषभ अपनी अति आक्रमकता के कारण कभी-कभी सस्ते में अपना विकेट गंवा देते हैं पर इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है कि उनकी क्षमताएं जबरदस्त हैं और वह किसी भी पल मैच का रुख बदल देते हैं। इसलिए हमने उन्हें हालात और पिच के अनुरूप अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी के लिए कहा है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में ऋषभ मैन ऑफ द सीरीज रहे। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद कहा, हमें पता है कि वह कैसे बल्लेबाजी करता है और एक टीम के रूप में हम उसे स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी देना चाहते हैं हालांकि हमने उससे कहा है कि मैच की स्थिति और पिच को भी ध्यान में रखे। साथ ही कहा कि वह समय के साथ ही बेहतर होता जा रहा है। कई बार ऐसा भी होता है कि आप सिर पीटने लगते हैं कि उसने ऐसा शॉट क्यो खेला पर यह भी सही है कि हमें उसे उसी रूप में स्वीकार करना होगा, जैसे वह खेलता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो कुछ समय के अंदर ही मैच का रुख बदल सकता है। उसकी विकेटकीपिंग भी बेहतरीन है और हर मैच में उसके प्रदर्शन में सुधार आ रहा है। डीआरएस के उसके फैसले भी स्टीक हो रहे हैं। टेस्ट कप्तानी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि टीम में कुछ सीनियर खिलाड़ी हैं जो खेल को बखूबी समझते हैं और अपनी राय देते हैं। मेरी अपनी समझ है। कप्तानी के मामले में मेरा मानना यही है कि उस समय जो सही लगे, वही फैसला लो।

आईपीएल के 15 वें सत्र में नजर आयेंगे ये बदलाव

मुम्बई । 26 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके तहत अगर कोरोना संक्रमण के कारण किसी टीम के पास अंतिम ग्यारह नहीं होती है तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उस मैच को दोबारा आयोजित करेगा। वहीं अगर मैच का दोबारा आयोजन संभव नहीं होता है तो इस मामले को तकनीकी समिति के पास भेजा जाएगा। बीसीसीआई ने कहा, 'बोर्ड अपने विवेक के आधार पर बाद में मैच को पुनर्निर्धारित करने का प्रयास करेगा पर अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो इस मुद्दे को आईपीएल तकनीकी समिति के पास भेजा जाएगा। आईपीएल तकनीकी समिति का निर्णय अंतिम, जिसे सभी को मानना होगा। यह पिछले नियम की तरह ही है, इसमें केवल एक बदलाव किया गया है। पिछले नियम में कहा गया था कि बोर्ड बाद में मैच को पुनर्निर्धारित करने का प्रयास करेगा। अगर यह संभव नहीं है तो प्रभावित फ्रेंचाइजी को हारा हुआ माना जाएगा और उसके प्रतिद्वंद्वी को दो अंक दे दिए जाएंगे। वहीं एक अन्य बदलाव डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) को लेकर हैं। बोर्ड के अनुसार बीसीसीआई के मुताबिक प्रत्येक पारी में डीआरएस की संख्या एक से बढ़ाकर दो कर दी गई है। बीसीसीआई ने मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के सुझाव के बाद यह निर्णय लिया है, जिसमें कहा गया था कि नए बल्लेबाज को स्ट्राइक पर आना होगा, भले ही बल्लेबाज कैच के दौरान क्रीज के बीच में क्यों न हो बशर्ते वह ओवर की अंतिम गेंद न हो।

महिला विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया

वेलिंगटन । एलिस पैरी और एशलेग गार्डनर की शानदार गेंदबाजी के बाद रेशेल हेन्स के नाबाद अर्धशतक की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट के अपने चौथे मुकाबले में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की महिला टीम अपने ओवर भी पूरे नहीं खेल पायी और 45.5 ओवर में ही केवल 131 रनों पर सिमट गयी। कप्तान स्टेफनी टेलर ही अर्धशतक लगाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर पायी जबकि बाकि बल्लेबाज असफल रहीं। स्टेफनी ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाये। वेस्टइंडीज की टीम ने लगातार विकेट खोये जिससे उसे संभालने का अवसर ही नहीं मिला। स्टेफनी ने एक छोर संभाले रखा पर किसी खिलाड़ी का साथ नहीं मिलने के कारण वह टीम को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा पायीं। मैच के दौरान इंडीज टीम पर की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी चौथे विकेट के लिए स्टेफनी ओर शेमाइन कैंपबेल 20 के बीच 36 रन की रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस पैरी ने 22 जबकि एशलेग गार्डनर ने 25 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। जेस जोनासेन ने 18 रन देकर दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसके बाद 132 रनों के लक्ष्य को सलामी बल्लेबाज रेशेल हेन्स के नाबाद 83 रनों की सहायता से 30.2 ओवर में ही तीन विकेट पर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 58 रनों के अंदर ही तीन विकेट खो दिये थे। एलिसा हीली 3 रन बनाकर आउट हुई जबकि कप्तान मेग लेनिंग तो खाता भी खाता नहीं खोल पायीं। एलिस पैरी ने भी केवल 10 रन ही बनाये। इसके बाद । रेशेल ने बेथ मूनी नाबाद के साथ 74 रन की कर बिना किसी ओर नुकसान के जीत दिला दी। मूनी 28 रन बनाकर नाबाद रहीं। वेस्टइंडीज की ओर से चिनेल हेनरी ने 20, हेली मैथ्यूज ने 31 और शेमिला कोनेल ने 32 रन देकर एक-एक विकेट लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल कर लिए हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर वेस्टइंडीज को चार मैचों में लगातार दूसरी हार मिली है और वह चार अंक के साथ पांचवें स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल के शुरुआती मैच में सूर्यकुमार के बिना ही उतरेगी मुम्बई

मुम्बई । मुंबई इंडियंस को आईपीएल के 15 वें सत्र के अपने शुरुआती मैच में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के बिना ही उतरना पड़ सकता है। सूर्यकुमार अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। उनके अंगूठे में हल्का फ्रेक्चर हैं जो अब तक ठीक नहीं हो पाया है। ऐसे में मुम्बई को 27 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार के बिना ही उतरना होगा। मुंबई इंडियंस ने पिछले सत्र के जिन खिलाड़ियों को रिटेन किया था उसमें सूर्यकुमार भी शामिल थे। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला के दौरान चोट लगी थी जिसके कारण वह श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार यह बल्लेबाज अभी एनसीए में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है पर इसके बाद भी पहले मैच तक वह शायद ही ठीक हो पायें। इसलिए संभावना है कि बोर्ड की चिकित्सा टीम उन्हें सलाह दे सकती है कि पहले मैच में खेलने का खतरा मौल न लें। वहीं मुंबई इंडियंस टीम भी सूर्यकुमार के साथ जल्दबाजी करके कोई जोखिम लेगी। पहले मैच के बाद मुंबई इंडियंस की टीम को अपना दूसरा मैच पांच दिन बाद दो अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। माना जा रहा है कि तब तक सूर्यकुमार को ठीक होने के लिए समय दिया जाएगा। इसमें किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं रहेगा।

आईपीएल से वापसी को तैयार हैं पंड्या

अहमदाबाद । ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या लंबे समय के बाद एक बार फिर आईपीएल से खेल में वापसी करेंगे। पंड्या का कहना है कि अब वह फिट हो गये हैं और आईपीएल की नई टीम गुजरात लायंस की कप्तानी के लिए तैयार हैं। इस क्रिकेटर ने (आईपीएल) में गेंदबाजी को लेकर अभी कोई जवाब न देते हुए कहा है कि यह एक सरप्राइज होगा। पंड्या पीठ की सर्जरी के बाद से ही गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। इसी कारण वह टीम इंडिया से भी बाहर रहे हैं। उन्होंने अपना पिछला मुकाबला आठ नवंबर को दुबई में टी20 विश्व कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ खेला था उसे बाद से ही वह राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं। । यह पूछने पर कि क्या वह दोबारा गेंदबाजी करेंगे, हार्दिक ने कहा कि यह सरप्राइज होगा। पंड्या को गुजरात टाइटंस ने नीलामी पूर्व ड्राफ्ट में 15 करोड़ रुपये में खरीदा और उन्हें अपनी टीम का कप्तान बनाया। पंड्या ने कहा कि कप्तानी मानव प्रबंधन से जुड़ी है। सफलता उनकी होगी, विफलता मेरी। हमारी भूमिका यह तय करने की होगी कि खिलाड़ियों को जो भी जिम्मेदारी मिले उसमें वे सहज रहें

भारतीय महिला फुटबॉल टीम नयी चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार : डेनेरबी

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम 28 मार्च से तीन अप्रैल तक चलने वाले सात दिवसीय अभ्यास शिविर के लिये गोवा में एकत्रित होगी। टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी सैफ महिला अंडर-18 चैम्पियनशिप में भारतीय अंडर-18 टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी होने के बाद यह शिविर शुरू करेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा, ''दोबारा शिविर में लौटने से पहले टीम को मिले ब्रेक से सभी को लाभ हुआ। मुझे महसूस हो रहा है कि अब सभी तरोताजा हैं और आगे की नयी चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार हैं। ''

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और फिर आगे की तैयारी शुरू करेंगे। हमारी बहुत अच्छी टीम है। ''

संभावित टीम इस प्रकार हैं : गोलकीपर : अदिति चौहान, लिंथोइंगाम्बी देवी, श्रेया हुड्डा, सौम्या नारायणासैमी डिफेंडर : डालिमा छिब्बर, स्वीटी देवी, रितु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मनीषा पन्ना, अस्तम ओराओन, क्रिटिना देवी मिडफील्डर : अंजू तमांग, संध्या रंगनाथन, कार्तिका अंगामुथु, रतनबाला देवी, प्रियंगका देवी, कश्मीना, इंदुमती काथिरेसन, मार्टिना थॉकचोम, सुमित्रा कामराज फॉरवर्ड : अपूर्णा नरजारी, ग्रेस डांगमेई, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा, प्यारी खाका, रेणु, करिश्मा शिरोवोइकर, मरियम्मल बालामुरूगन।

एसीसी बैठक में गांगुली के समक्ष ये बड़ा प्रस्ताव रखेंगे पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा

कराची । भारत की रूचि नहीं होने के बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रमीज राजा ने कहा है कि वह चार देशों के एक दिवसीय टूर्नामेंट के बारे में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से 19 मार्च को दुबई में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में बात करेंगे। रमीज ने नेशनल स्टेडियम पर पत्रकारों से कहा कि उन्होंने टूर्नामेंट का प्रस्ताव रखा है जिसमें भारत और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें भी हों। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह था कि भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों को एक दूसरे के खिलाफ अधिक खेलने का मौका मिले और आईसीसी के अन्य सदस्य देशों का राजस्व बढ़े। उन्होंने कहा, 'मैं दुबई में एसीसी बैठक के दौरान सौरव गांगुली से इस बारे में बात करूंगा। हम दोनों पूर्व कप्तान और खिलाड़ी रह चुके हैं और हमारे लिये क्रिकेट सियासत से अलग है। उन्होंने कहा, 'अगर भारत राजी नहीं भी होता है तो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ तीन देशों का टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जा सकता है। रमीज ने यकीन जताया कि भारतीय टीम अगले साल एशिया कप खेलने पाकिस्तान आएगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता कि वे आएंगे। अगर वे नहीं आते हैं तो हम देखेंगे कि क्या किया जा सकता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह पहले ही रमीज के प्रस्ताव को यह कहकर खारिज कर चुके हैं कि भारत का मकसद खेल का वैश्वीकरण है और अल्पकालिक वित्तीय फायदे नहीं।

टेनिस टूर्नामेंट : हुसेन, देवांश, सोनिया व अहाना क्वाटरफाइनल में

इन्दौर । मध्य प्रदेश टेनिस संघ के द्वारा आयोजित ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज सब जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश के हुसेन सैफी व देवांश कौशल ने बालक वर्ग तथा सोनिया दत्ता व अहाना फुलजले ने बालिका वर्ग के क्वाटरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अंडर-12 बालक एकल प्री-क्वार्टर फायनल में हुसेन सैफी (म.प्र.) ने गौरांग अग्रवाल (म.प्र.) को 6-1, 6-0 से, देवांश कौशल (म.प्र.) ने प्रवर मित्तल (म.प्र.) को 6-0, 6-1 से, विद्युत सुंदर (महाराष्ट्र) ने अथर्व पालोद (म.प्र.) को 6-3, 4-6, 10-8 से, वीर चतुर (महाराष्ट्र) ने हितार्थ सुराना (म.प्र.) को 6-0, 6-1 से तथा अदविक जैन (म.प्र.) ने साहिब कठपाल (म.प्र.) को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। इसी प्रकार अंडर-12 बालक एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में सोनिया दत्ता (म.प्र) ने आन्या फुलजले (म.प्र) को 6-0, 6-1 से, अहाना फुलजले (म.प्र.) ने अवनि जाट (म.प्र) को 3-6, 7-5, 10-8 से, काशवी ठुकराल (म.प्र.) ने भक्ति कुलकर्णी (म.प्र) को 6-0, 6-0 से तथा वैदेही शुक्ला (म.प्र.) ने आयरा लोदी (म.प्र) को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी। स्पर्धा का शुभारंभ मयूर ध्वज सिंह झाबुआ, खेल सचिव, ओल्ड डेलीयन संघ एवं अर्जुन धूपर, ट्रस्टी इन्दौर टेनिस क्लब के आतिथ्य में किया गया।

एलिसे पैरी का बड़ा बयान, खतरनाक मंधाना और हरमनप्रीत की ताकत से वाकिफ हूं

वेलिंगटन । ऑस्ट्रेलिया की स्टार हरफनमौला क्रिकेटर एलिसे पैरी ने कहा है कि भारत का मजबूत बल्लेबाजी क्रम विश्व कप के आगामी मैच में उनकी टीम के लिए बड़ी चुनौती पेश करेगा, खासकर स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर जैसी खतरनाक बल्लेबाजों को वह महिला बिग बैश लीग में देख ही चुकी हैं। रिकॉर्ड सातवां खिताब जीतने की कोशिश में जुटी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अभी तक चारों मैच जीत लिए हैं। मेग लानिंग की कप्तानी वाली टीम का सामना अब पिछली उपविजेता भारतीय टीम से होगा। पैरी ने कहा, 'हमें भारतीय बल्लेबाजी की ताकत का अहसास है। स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर दो सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से हैं। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उस टूर्नामेंट में दोनों ने शतक जमाए और नहीं भी तो काफी करीब पहुंची थी। स्मृति ने तो शतक जड़ा भी था। हम एक दूसरे के खिलाफ काफी खेल चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले मैच में हरमनप्रीत और मंधाना ने शतक जड़े थे। अब भारत का सामना बुधवार को इंग्लैंड से और शनिवार को ऑस्ट्रेलिया से होगा। पैरी ने कहा, 'हमें काफी पक्की तैयारी करनी होगी। हमारे लिए यह कठिन चुनौती होगी लेकिन यह मैच अच्छे समय पर हो रहा है चूंकि दोनों टीमें अच्छी स्थिति में हैं। यह बेहद रोमांचक मुकाबला होगा। भारत ने आस्ट्रेलिया दौरे पर तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से गंवाने से पहले ऑस्ट्रेलिया का 26 मैचों का विजय अभियान तोड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम झूलन गोस्वामी का काफी सम्मान करती है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि पूरी टीम के मन में झूलन के लिए काफी सम्मान है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बदलेगा मशहूर गद्दाफी स्टेडियम का नाम

लाहौर । लाहौर का मशहूर गद्दाफी स्टेडियम जल्दी ही किसी और नाम से जाना जा सकता है। पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने बताया कि इस नए नामकरण के पीछे कोई राजनीति नहीं है, बल्कि बोर्ड कई प्रायोजकों से बात कर रहा है जिनसे सबसे आकर्षक प्रस्ताव देने वाले को स्टेडियम का नाम रखने का हक दिया जाएगा। इससे पहले भी स्टेडियम को दूसरा नाम देने की बात हुई है लेकिन आम तौर पर इसका कारण राजनीतिक रहा है। इस बार कारण केवल वित्तीय है और लाहौर के बाद कराची का नेशनल स्टेडियम को भी दूसरा नाम दिए जाने की बात चल सकती है। रमीज ने कहा, हमने 'यूगव नामक संस्थान से पता लगाया कि हमारे स्टेडियम प्रायोजकों से कितनी कीमत की मांग कर सकते हैं। यह सिर्फ गद्दाफी ही नहीं बल्कि एनएसके (कराची) और दूसरे मैदानों पर भी लागू है। इस बारे में कुछ समय से बात चल रही है और प्रायोजकों का उत्साह भी देखने लायक है। जल्द ही गद्दाफी का नाम बदलेगा और एक प्रायोजक का नाम स्टेडियम से जुड़ जाएगा। 1959 में जब इस स्टेडियम का उद्घाटन हुआ था तो इसे लाहौर स्टेडियम कहा जाता था। फिर 1974 में लिबिया के पूर्व राष्ट्रपति मुअम्मर गद्दाफी ने पाकिस्तान में आयोजित इस्लामी सम्मलेन के संघटनीय भाषण में मेज़बान देश की परमाणु बम बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इस बात से खुश होकर प्रधानमंत्री जुल्फिका अली भुट्टो ने पाकिस्तान के प्रमुख क्रिकेट स्टेडियम का नाम उनके सम्मान में रख दिया था।

सदाराम बापू ने अपने भजन-सत्संग से लाखों लोगों को बनाया व्यसन मुक्त: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ।

बनासकांठा के श्रद्धेय संत पूज्य सदाराम बापू की 115वीं जयंती मंगलवार को दियोदर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षीय उपस्थिति में मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य संत श्री सदाराम बापू ने शिक्षा के विस्तार, व्यसन मुक्ति और हिंसा निवारण के अनेक सेवा कार्य किए हैं। पूज्य संत श्री सदाराम बापू ने उनके भजन व सत्संग के जरिए लाखों लोगों को व्यसन मुक्त बनाया है। बापू का सादा-सरल जीवन ही उनका जीवन संदेश था। उन्होंने कहा कि लोगों की परेशानियों और पीड़ाओं को दूर करते-करते सादा जीवन जीकर वे इस भवसागर को पार कर गए। नशा व्यक्ति और परिवार को बर्बाद कर देता है, उस बात को बेहतर तरीके से समझकर किसी एक जाति के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के विकास के लिए पूज्य बापू ने काम किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि ऐसे संत के जीवन से प्रेरणा लेकर हर कोई अपने जीवन में आगे बढ़े। पटेल ने आगे कहा कि पौधे में ईश्वर की भांति व्यक्ति में भी रणछोड़ का दर्शन कर समाज के विकास के कार्यों की प्रेरणा उन्होंने दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा देकर हमें नई दिशा दी है, तब उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलकर गुजरात को आत्मनिर्भर बनाएं।

शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला ने कहा कि पूज्य संत श्री सदाराम बापा आज भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका उपदेश और आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहेगा। बापा ने भजन और भक्ति के साथ-साथ समाज सुधार का विराट कार्य पूरे उत्तर गुजरात में किया है। उन्होंने अपने जीवनकाल के सात दशक से भी अधिक वर्ष शिक्षा के अभाव के चलते समाज में व्याप्त व्यसन की बुराई को दूर करने में खपा दिए थे।

गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना के अध्यक्ष अल्पेश ठाकोर ने कहा कि हमारे संत श्री सदाराम बापा से व्यसन मुक्ति अभियान चलाने की प्रेरणा और सभी के कल्याण का शुभाशीश मिलता है। उन्होंने कहा कि, "बापा के चरणों में प्रार्थना करता हूं कि नशा मुक्ति के अलावा धर्म और भाईचारे की भावना के जरिए सभी समाज एक बनकर रहें।" ठाकोर ने कहा कि वाव और भाभर क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ने लगभग 100 करोड़ रुपए की भारी धनराशि के कार्यों को मंजूरी दी है। उन्होंने खेती के लिए अमृत के समान नर्मदा मैया का नीर इस धरा तक पहुंचाने की मंजूरी देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

डर है कि कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई गुजरात विधानसभा न बिक जाए :वीरजी ठुम्मर

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा चल रहे सत्र में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। धारी से विधायक वीरजी ठुम्मर ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार केवल जनता को सपने दिखा रही है। सरकार पर प्रहार करते हुए वीरजी ठुम्मर ने कहा कि कांग्रेस द्वारा बनाई गई स्कूलों में पढ़कर ही आप आज मंत्री बने हैं। लेकिन अब डर लग रहा है कि कहां कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई गुजरात विधानसभा न बिक जाए। तंज कहते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि बड़े बड़े दावे करने वाली सरकार ने वास्तव में जनता के लिए कुछ काम किया है? प्राकृतिक कृषि के लिए सरकार ने अब तक एक रुपए का बजट आवंटित नहीं किया। लेकिन 8 साल में कृषि बजट घटा जरूर दिया है। केवल 3.23 प्रतिशत जितनी सामान्य रकम आवंटित कर गुजरात के किसानों के साथ मजाक किया है। आज गुजरात समेत देश के किसान मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

दूसरी ओर भाजपा सरकार प्राकृतिक खेती के नाम पर वाह वाही लूट रही है। उन्होंने कहा कि सरकार कर की आय बढ़ी है, लेकिन साथ ही कर्ज भी बढ़ रहा है। 1। प्रतिशत जितना रकम सरकार केवल कर से भुगतान करती है। पंचायत महासम्मेलन और खेलेंगे गुजरात पर 200 करोड़ से ज्यादा का खर्च राज्य सरकार ने किया है। शिक्षा क्षेत्र के मुद्दे पर सरकार को आडे हाथ लेते हुए वीरजी ठुम्मर ने कहा कि सरकार 1.53 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करती है। राज्य में 6000 स्कूलें बंद हो चुकी हैं और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, इसके बावजूद सरकार वाहवाही लूटने से बाज नहीं आ रही। राज्य में आज 6181 आंगनवाडियां जर्जरित हालत में हैं। संकलित बाल विकासयोजना में खर्च कम बताया जा रहा है। किसानों के लिए बजट घटाया जा रहा है। गुजरात के किसानों को बिजली नहीं मिल रही। कांग्रेस विधायक ने ऐसे कई मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर कड़े प्रहार किए।

पश्चिम रेलवे द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 835 टाइम टेबल्ड पार्सल रेकों का परिचालन

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे द्वारा अत्यावश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को जारी रखने के लिए देश भर में गुड्स और पार्सल विशेष ट्रेनों का लगातार परिचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे द्वारा अत्यावश्यक वस्तुओं को देश के विभिन्न भागों में पहुंचाने के लिए 1 अप्रैल, 2021 से 14 मार्च, 2022 तक 835 पार्सल ट्रेनें चलाई गई हैं। इस अवधि के दौरान इन मालगाड़ियों में 83.29 मिलियन टन लदान किया गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 76.65 मिलियन टन लदान की तुलना में लगभग 9त्न अधिक है। इसके परिणामस्वरूप कुल 10,293 करोड़ रुपये से अधिक का माल राजस्व प्राप्त हुआ है। पश्चिम रेलवे की मंडल बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों (BDUs) की गहन मॉनिटरिंग के फलस्वरूप न केवल पार्सल यातायात में सुधार हुआ है बल्कि नए यातायात के रूप में बेहतर माल ढुलाई के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में पश्चिम रेलवे ने प्रारंभिक राजस्व में 13,000 करोड़ रुपये के आँकड़े की एक बड़ी उपलब्धि को पार कर लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 अप्रैल, 2021 से 14 मार्च, 2022 तक पश्चिम रेलवे ने अपनी पार्सल विशेष ट्रेनों के माध्यम से 3.21 लाख टन से अधिक वजन वाली वस्तुओं का परिवहन किया है, जिनमें कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण, मछली, दूध आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। इस परिवहन के माध्यम से लगभग 114.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया। पश्चिम रेलवे द्वारा 1.25 लाख टन से अधिक भार और वैगनों के 100त्न उपयोग के साथ 174 दुग्ध विशेष ट्रेनें चलाई गईं। इसी तरह अत्यावश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए 36,000 टन से अधिक भार वाली 176 कोविड-19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी चलाई गईं। इसके अलावा 1 लाख टन से अधिक माल परिवहन हेतु 298 इंडेंटेड रेक भी 100त्न उपयोग के साथ चलाए गए। किसानों को उनकी उपज के लिए नए बाजार खोजने में मदद करने तथा इसके किफायती और तेज परिवहन के लिए विभिन्न मंडलों से इस अवधि के दौरान 52,000 टन से अधिक भार वाली 187 किसान रेलें भी चलाई गई हैं।

ट्रेन से फर्जी आधार कार्ड के साथ पकड़ी गईं दो बांग्लादेशी समेत 3 युवतियां नारी निकेतन से फरार

वडोदरा।

हावडा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से फर्जी आधार कार्ड के साथ पकड़ी गईं दो बांग्लादेशी और पश्चिम बंगाल एक समेत तीन युवतियां वडोदरा के नारी निकेतन से फरार हो गई हैं। बीती रात हुई इस घटना के बाद पुलिस समेत विभिन्न एजेंसियां हरकत में आ गई हैं और फरार युवतियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश की मूल निवासी यास्मिन उर्फ जन्नत जजमियां मुस्लिम और पोपिबेगम उर्फ फरजाना मोहमद सैफुल इस्लाम शेख पश्चिम बंगाल की मौसम उर्फ सारमिन मिंटु उर्फ रहीम शेख के हावडा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रही थी। बांग्लादेशी युवतियों की बातचीत के आधार पर रेलवे पुलिस ने उनका आईडी कार्ड जांच के लिए मांगा गया। बांग्लादेशी युवतियों द्वारा दिए गए आधार कार्ड फर्जी होने का खुलासा होने पर दोनों से पूछताछ करने पर पता चला कि उन्होंने पश्चिम बंगाल निवासी नाजमुल शेख ने मामा नामक एक शख्स से आधार कार्ड बनवाकर दिए थे। जिसके बाद रेलवे पुलिस ने बांग्लादेशी की 2 और पश्चिम बंगाल 1 समेत तीनों युवतियों को नारी निकेतन भेज दिया था। लेकिन बीती रात बांग्लादेशी समेत पश्चिम बंगाल की युवतियां नारी निकेतन की ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गई हैं। युवतियों के फरार होने की खबर मिलते ही पुलिस समेत विभिन्न एजेंसियां हरकत में आ गई हैं और युवतियों की तलाश शुरू की है। बताया जाता है कि पकड़ी गई युवतियों से सेंट्रल आईबी, स्टेट आईबी, आर्मी, क्राइम ब्रांच और एसओजी समेत विभिन्न एजेंसियां पूछताछ करने वाली थीं। लेकिन पूछताछ से पहले ही तीनों युवतियां फरार हो गई हैं। युवतियों के फरार होने के बाद रेलवे पुलिस ने पश्चिम बंगाल के मोहमद नजमुल शेख को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है।

लक्ज़री वॉच बुटीक आर्ट ऑफ़ टाइम आपके घर में हाउट होर्लोगरी की दुनिया लाया है

मुंबई। ऐसे समय में जब 'वर्क फ्रॉम होम', 'लॉकडाउन', 'क्वारंटाइन' और 'प्रतिबंध' हर किसी की जुबान पर सबसे आम बात है, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि दुनिया बदल गई है और कुछ लोगो ने इस बदलाव के प्रभाव को लग्जरी रिटेल उद्योग से ज्यादा महसूस किया है।

इन अभूतपूर्व समय में, खुदरा दुकानों को प्रासंगिक होने और अपने दरवाजे खुले रखने के लिए अपने व्यापार मॉडल को बदलने और फिर से डिजाइन करने के लिए मजबूर किया गया है। अमेज़ॅन या किसी अन्य ई-बुटीक साइट पर शैम्पू की एक बोतल खरीदने के लिए, कुछ किराने का सामान या यहां तक कि कपड़े और जूते भी काफी आम हो गए हैं और जबकि अधिकांश लोग ऑनलाइन लक्ज़री आइटम खरीदने में बहुत सहज होते हैं, यह एक बहुत ही दुर्लभ घटना है। हालाँकि, यह "परिवर्तन का समय" है। 6 साल पहले अपने दरवाजे खोलने के बाद से, आर्ट ऑफ टाइम को अपने ग्राहकों को कार्टियर, आईडब्ल्यूसी, पनेराई, रोजर डुब्युस, जैगर लेकोल्ट्रे, यूलिसे नार्डिन जैसे कई अन्य प्रसिद्ध ब्रांडों से उच्च अंत टाइमपीस का एक असाधारण चयन प्रदान करने पर गर्व है। उत्कृष्ट ग्राहक सेवा, बिक्री के बाद अद्वितीय देखभाल, अच्छी तरह से प्रशिक्षित और जानकार कर्मचारियों के लिए जाना जाता है, आर्ट ओफ टाइम वोत परखे यह हमेशा संग्राहकों और पहली बार खरीदारी करने वालों के लिए स्वर्ग रहा है और समय बीतने के साथ, वे भारत भर में लक्ज़री घड़ियों के लिए गो-टू-डेस्टीनेशन बनने की दिशा में अपना अगला कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

अमूल के बाद दक्षिण गुजरात की सुमूल दूध के कीमत में दो रुपए का इजाफा

सूरत।

अमूल के बाद दक्षिण गुजरात की सुमूल डेयरी ने दूध के प्रति लीटर दूध की कीमत में दो रुपए का इजाफा किया है। करीब नौ महीने पहले सुमूल ने दूध की कीमतों में दो रुपए की वृद्धि की थी। सुमूल डेयरी की मूल्य वृद्धि का असर दक्षिण गुजरात के सूरत, तापी के लाखों ग्राहकों पर होगा। सुमूल डेयरी के प्रमुख मानसिंह पटेल का कहना है कि परिवहन समेत अनेक वस्तुओं के भाव बढ़ने से दूध की कीमतें बढ़ाई गई हैं। गौरतलब है कि सुमूल डेयरी ने दिसंबर 2019 में दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। उसके डेढ साल बाद गत 20 जून 2020 को प्रति लीटर दूध के दाम में दो रुपए का इजाफा किया था। नौ महीने बाद सुमूल डेयरी ने फिर एक बार प्रति लीटर दूध की कीमतों में दो रुपए की वृद्धि कर दी है। कुछ दिन पहले सुमूल डेयरी ने 20 रुपए प्रति किलो फैट की वृद्धि की थी। जिसका दक्षिण गुजरात के 2.50 लाख पशुपालकों को लाभ मिला था। गाय के फैट में प्रति किलो रु. 680 से बढ़ाकर रु. 700 किए गए थे। जबकि भैंस के दूध में 20 रुपए प्रति किलो फैट बढ़ाकर रु. 715 कर दिए थे।

हायर इंडिया ने भारत में नए ओएलईडी प्रो टीवी के साथ अपने होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का दायरा बढ़ाया

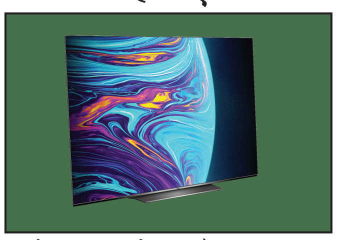

होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी वैश्विक कंपनी और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख अप्लायंसेज के क्षेत्र में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने उपभोक्ताओं के लिए भारत में अपना नया अल्ट्रा-स्लिम 4.9 मिमी ओएलईडी टीवी लॉन्च किया है।

इसमें उत्कृष्ट मेटल-बेज़ल-रहित डिज़ाइन के साथ असली मनोरंजन का अनुभव, और उपभोक्ताओं के लिए अधिक गहरे व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए शानदार पिक्चर क्वालिटी है। इसके अलावा, हायर के नए एंड्रॉइड-संचालित ओएलईडी टीवी में एडवांस्ड फ्री-हैंड कंट्रोल के लिए फार-फील्ड वॉयस असिस्टेंस मौजूद है।

लॉन्च के अवसर पर श्री सतीश एनएस, चेयरमैन, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि "हायर इंडिया में, हम भारतीय उपभोक्ताओं की नई लाइफ स्टाईल के अनुकूल बेस्ट-इन-क्लास इनोवेशन के जरिये लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। यह लॉन्च हमारे प्रयास का एक उदाहरण है और हायर के 'इंस्पायर्ड लिविंग' की ब्रांड फिलॉसफी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नए हायर ओएलईडी टीवी को नए फीचर्स और स्टाइलिश बेज़ल-लेस डिज़ाइन के माध्यम से कंज्यूमर एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हम अपने संपूर्ण प्रोडक्ट रेंज में उत्कृष्टता और उपयोगकर्ता-प्रेरित इनोवेशन के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे, ताकि हम भारतीय बाजार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सकें।"

इसके अलावा, नए ओएलईडी टीवी का एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम उपयोगकर्ताओं को गूगल प्ले स्टोर की विशाल लाइब्रेरी तक पहुंचने की सुविधा देता है, जिससे वे अपनी पसंदीदा फिल्मों, शो, खेल, समाचार, गेम और भी अन्य सुविधाओं तक पहुंचने के लिए सभी लोकप्रिय मनोरंजन ऐप्स हासिल कर सकते हैं।

बिग बैंग म्यूजिक ने मौज के छह क्रिएटर्स के साथ जबर्दस्तल हिट गाने 'लारा सोहनेया' का रीमिक्सक म्यूजजिक वीडियो लॉन्च, किया

इंडी-पॉप गाने लारा सोहनेया के जादुई बोल, राहत देने वाली धुनें और एनर्जी से भरपूर वाइब्सऔ 2021 से ही हमें संगीत से सराबोर कर रही हैं। रीमिक्सा और रीमेक के चलन का फायदा उठाते हुए, रिकॉर्ड लेबल बिग बैंग म्यूरजिक अपने लोकप्रिय गाने लारा सोहनेया का रीमिक्स रिलीज करने के लिये तैयार है, जिसे रूप घुमान और विभूति जोशी ने गाया है। इसे आइकॉनिक ने प्रोड्यूस किया है और इस म्यूघजिक वीडियो में मौज के छह लोकप्रिय क्रिएटर्स नजर आ रहे हैं- हिमांशु , विशाल, स्वैगी, वैशाली, भावी, और सुदीपा। म्यूरजिक वीडियो में रीमिक्सक की पैरों को थिरकने पर मजबूर करने वाली धुनों पर यह प्रतिभाशाली क्रिएटर्स झूमते हुए दिख रहे हैं। शानदार कोरियोग्राफी और ग्लैपमर निश्चित रूप से आपके मूड को बेहतर बना देंगे।

रीमिक्सप का ऑडियो म्यूआजिक वीडियो के ऑफिशियल रिलीज से एक सप्तौह पहले 4 मार्च को केवल भारत के नंबर वन शॉर्ट वीडियो प्लेयटफॉर्म मौज पर लॉन्चे हुआ है, जिससे मौज के यूजर्स को इस जोशीले गाने की झलक मिली है। म्यूजिक वीडियो के साथ, मौज ने एक हैशटैग चैलेंज #DanceSohneya भी लॉन्चे किया है, जो क्रिएटर्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। जिस म्यूजिक वीडियो का काफी इंतजार था, वह बिग बैंग म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर अपना जलवा बिखेर रहा है।

इस पहल के बारे में मौज में कंटेन्टम स्ट्रे टजी और ऑपरेशंस के सीनियर डायरेक्टर शशांक शेखर ने कहा, "हमने लगातार अपनी क्रिएटर कम्यु निटी को दुनिया में अपनी प्रतिभा दिखाने के मौके देने की कोशिश की है। गानों के एक्सेक्लूकसिव लॉन्च के लिये बिग बैंग म्यूजिक के साथ हमारा गठजोड़ बहुत सफल रहा है और हमने म्यूजिक के हैशटैग चैलेंजेस में अपनी कम्युसनिटी की अच्छीं भागीदारी देखी है। प्रतिभाशाली गायकों रूप और विभूति के साथ मौज के छह क्रिएटर्स को स्क्री न शेयर करते देखकर हम उत्सापहित हैं। हमें अपने बहुत प्रतिभावान क्रिएटर्स को म्यूजिक लेबल्सर से जोड़ने पर गर्व होता है और हमें विश्वाखस है कि लारा सोहनेया के रीमिक्सव म्यूजिक वीडियो को दर्शकों से बहुत अच्छीक प्रतिक्रिया मिलेगी।"

गायकों रूप घुमान और विभूति जोशी ने कहा, "यह गाना हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें अब तक जो प्याोर मिला है, उसके लिये हम आभारी हैं। 'लारा सोहनेया' का ओरिजिनल वर्जन जिस तरह ट्रेंड करने लगा और तुरंत सभी का चहेता बन गया, उससे हमें यह रीमिक्सह वर्जन बनाने की प्रेरणा मिली। हमें उम्मीजद है कि हमारे दर्शक इस वर्जन को वैसा ही प्याार देंगे, जैसा उन्होंने ओरिजिनल गाने को दिया है। हिमांशु, विशाल, स्वै गी, वैशाली, भावी और सुदीपा जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव बेजोड़ रहा और हमें रीमिक्स के लॉन्चि का काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।"

स्कोडा ऑटो ने नई स्लागविया के लिए कम सर्विस लागत की घोषणा की

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्को डा स्लाविया सेडान के लिए सर्विस लागत की घोषणा की है। इसकी शुरुआत रू 0.46 प्रति किलोमीटर से हो रही है। इस लागत की गणना 5 साल/75,000किलोमीटर, जो भी पहले हो, की अवाधि के लिए की गई है।

स्ला विया सेडान में स्टैरण्डेर्ड तौर पर 4-साल/100,000 किलोमीटर, जो भी पहले हो, की वारंटी की पेशकश की गई है। इसमें वारंटी को 150,000 किलोमीटर के साथ 5 या 6-साल (जो भी पहले हो) के लिए बढ़ाने का विकल्पै भी है। वारंटी के अलावा, ग्राहक 24,499 रुपये से शुरू हो रहे स्को डा सुपरकेयर प्रि-पेड पैकेज के तहत संपूर्ण लागत को और कम कर सकते हैं। इन मेंटेनेंस पैकेज को स्टै ण्डकर्ड, एन्हैंकस्ड् एवं कॉम्प्रीसहेंसिव के तहत वर्गीकृत किया गया है जिसमें पहले से परिभाषित रखरखाव एवं लागतों के अंतर्गत विभिन्ने सीमित एवं विस्तािरित वियर एंड टियर आइटम शामिल हैं। इससे ग्राहकों को कीमत की गारंटी मिलती है और महंगाई एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा भी मिलती है। स्कोकडा सुपरकेयर एवं एक्सएटेंडेड वारंटीज को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ग्राहक के लिए स्ला विया रखना बिल्कुएल परेशानीरहित हो जाता है। साथ ही सेडान की रिसाड्युअल कॉस्टल भी बढ़ जाती है क्योंकि ये फायदे अगले मालिक को भी मिलते हैं।

स्कोडा ऑटो इंडिया के 'पीस ऑफ माइंड' कैम्पेन के अंतर्गत विभिन्न स्टैाण्डसर्ड एवं वैकल्पिक फायदे स्ला विया के स्वामित्व अनुभव को और बेहतर बनाते हैं। इनमें से कुछ हैं कॉम्पैक्टर वर्कशॉप जोकि सभी ग्रामीण क्षेत्रोंमें बिक्री पश्चावत सुविधाओं को सुलभ बनाती है और यहां एक बिक्री शाखा भी होती है, जहां प्रति कि.मी. सर्विस लागत को 21 प्रतिशत तक कम किया गया है। इस कैम्पेमन में 9 सालों के लिए स्कोडा असिस्ट रोड साइड असिस्टें्स प्लारन का विस्तार किया गया है और साथ ही कुछ निश्चित सेवाओं के लिए टु-द-डोर मोबिकेयर मोबाइल सर्विस का भी प्रावधान है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लाविया 1.0 टीएसआइ सेडान को 28 फरवरी 2022 को लॉन्च किया था। परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड 1.5 टीएसआइ सेडान को 3 मार्च 2022 को बाजार में उतारा गया। दोनों उत्पोदों की बुकिंग्स एवं डिलीवरी जोरशोर ढंग से चल रही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)